

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005

www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 172 ■ दमण, शनिवार 28, मार्च 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

पश्चिम एशिया संकट पर पीएम मोदी ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ की वर्चुअल बैठक

देश में कोई लॉकडाउन नहीं लगेगा, सभी राज्य टीम इंडिया की तरह करें काम: पीएम मोदी



असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली 27 मार्च। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध की स्थिति के कारण पूरे विश्व पर संकट मंडरा रहा है। 140 करोड़ की आबादी वाला भारत देश इस संकट के कारण सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकता है। भविष्य की इसी चुनौतियों को निपटने के लिए पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया संकट पर मुख्यमंत्रियों संग वर्चुअल बैठक की। इस संकट से भारत समेत पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। भारत के लिए यह युद्ध आर्थिक, राष्ट्रीय सुरक्षा और मानवीय स्तर पर चुनौतियां लाया है। पश्चिम एशिया के हालात पर पीएम मोदी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वर्चुअली मीटिंग की, जो कि करीब सवा दो घंटे चली। इस दौरान प्रधानमंत्री ने राज्यों से उनकी तैयारियों के बारे में जानकारी ली। प्रधानमंत्री ने कहा, टीम इंडिया की तरह सबको मिलकर काम करना होगा। कोई लॉकडाउन नहीं लगाया जाएगा। पीएम ने भरोसा जताया कि टीम इंडिया के तौर पर मिलकर काम करते हुए, देश इस हालात से उबरेंगे और कामयाब होगा। इस बैठक में उन राज्यों के मुख्यमंत्री नहीं शामिल हुए, जहां आचार संहिता लागू है और अगले कुछ दिनों में चुनाव होने हैं। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अलावा मुख्यमंत्रियों में चंद्रबाबू नायडू, विष्णु देव सहाय, रेवंत रेड्डी, योगी आदित्यनाथ, उमर अब्दुल्ला, भगवंत मान, मोहन यादव, हेमंत सोरेन, पुष्कर सिंह धामी, भूपेंद्र पटेल, देवेन्द्र फड़णवीस और मोहन चरण मांझी शामिल हुए। पश्चिम एशिया के हालातों को देखते हुए पीएम मोदी लगातार दुनिया के तमाम देशों से बातचीत कर रहे हैं। इस मुद्दे पर वो संसद के दोनों सदन को भी संबोधित कर चुके हैं। संसद में पीएम ने कहा था कि पश्चिम एशिया के हालात इस समय बेहद चिंताजनक हैं। इस संकट को तीन सप्ताह से अधिक का समय हो गया है। इस संकट से सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया जूझ रही है। पीएम मोदी ने कहा था कि इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और लोगों के जीवन पर पड़ रहा है। भारत के लिए यह युद्ध आर्थिक, राष्ट्रीय सुरक्षा और मानवीय, तीनों स्तरों पर अप्रत्याशित चुनौतियां लेकर आया है। कच्चे तेल और गैस की ज़रूरतों के साथ-साथ, खाड़ी के देशों में लगभग 1 करोड़ भारतीय रहते और काम करते हैं। उनकी सुरक्षा भारत सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस संकट के समय केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 10-10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की है। हालांकि, इससे ईंधन के खुदरा दाम में कोई बदलाव नहीं होगा। कंपनियां इसका उपयोग कच्चे माल की बढ़ी लागत की भरपाई के लिए करेंगी।

पीएम मोदी नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का आज करेंगे उद्घाटन



नोएडा (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर एयरपोर्ट) का उद्घाटन करेंगे। इस कार्यक्रम में बड़े नेताओं के साथ-साथ आसपास के इलाकों से लगभग 1 लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। वीआईपी मूवमेंट को देखते हुए नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है। जिसमें सड़कों पर ट्रैफिक डायवर्जन से लेकर पार्किंग की व्यवस्था तक की जानकारी दी गई है। नोएडा ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक, 28 मार्च को सुबह 7 बजे से रात 11 बजे तक कई सड़कों पर रूट डायवर्जन रहेगा। ऐसे में घर से निकलने से पहले नोएडा ट्रैफिक एडवाइजरी जरूर पढ़ लें। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे और यमुना एक्सप्रेसवे पर पूरे दिन भारी, मध्यम और हल्के मालवाहकों (ट्रक, ट्रॉली आदि) के आने-जाने पर पाबंदी रहेगी। हालांकि, इमरजेंसी वाहन (एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड) को अनुमति रहेगी।

दीव में महावीर जयंती पर 31 मार्च को चीकन, मटन एवं मछली की दुकानें और स्लॉटर हाउस रहेंगे बंद, एडीएम ने जारी किया आदेश

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, दीव 27 मार्च। दीव में महावीर जयंती पर 31 मार्च को चीकन, मटन एवं मछली की दुकानें और स्लॉटर हाउस बंद रखने के आदेश जारी किये गये हैं। दीव एडीएम द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि जन शांति, कानून व्यवस्था बनाये रखने और आम जनता की धार्मिक भावनाओं को ठेस न पहुंचाने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की 163 के तहत 31 मार्च 2026 को एक दिन के लिए दीव में चीकन, मटन एवं मछली की दुकानें और स्लॉटर हाउस बंद रखने के निर्देश दिये गये हैं। इस आदेश का अनुपालन न करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

भीमपोर के जय लिमडी माता मंदिर का 31 मार्च को मनाया जाएगा पाटोत्सव

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, दमण 27 मार्च। भीमपोर चार रास्ता स्थित जय लिमडी माता मंदिर का 31 मार्च 2026 को 17वां पाटोत्सव मनाया जाएगा। जय लिमडी माता मंडल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में भक्तों को लाभ लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। 31 मार्च को सुबह 9 बजे ध्वजारोहण की जाएगी। सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक माताजी का होम किया जाएगा। दोपहर 12 बजे माताजी की आरती के बाद दोपहर 12.30 बजे से महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा।

आकाश की ऊंचाई-स्पष्ट संदेश

विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश

₹11,200 करोड़ की लागत से तीव्र कनेक्टिविटी देने वाले अत्याधुनिक ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (प्रथम चरण) का उद्घाटन

नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री

के द्वारा

उत्तर प्रदेश की उड़ान - पूरे भारत की शान

- भारत की सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट परियोजनाओं में एक
- सड़क, रेल, मोटो और क्षेत्रीय परिवहन प्रणालियों के बीच निग्राह एकीकरण वाला मल्टी मोडल ट्रांजिट सिस्टम
- 2.5 लाख+ मीट्रिक टन की वार्षिक क्षमता वाला मल्टी-मोडल कार्गो हब, जिसे लगभग 18 लाख मीट्रिक टन तक बढ़ाया जा सकता है
- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रवेश द्वार के अनुरूप
- प्रति वर्ष 1.20 करोड़ यात्री क्षमता
- द्युत चरण तक प्रति वर्ष 7 करोड़ तक यात्री वहन क्षमता का विस्तार
- उत्तर प्रदेश की पारंपरिक एवं हरेलियों की शौन पर आधारित साज-सज्जा, वातावरणीय एवं हरेलियों के गंगा घाट की अनुभूति वाली मल्टी लेवल टर्मिनल डिजाइन
- विभिन्न राज्यों के हेडोक्वायर्स एवं टेक्सटाइल से सौंदर्यीकरण

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

पंकज चौधरी
राज्य मंत्री, वित्त, भारत सरकार

बुजेश सिंह
राज्य मंत्री, लोक निर्माण, उत्तर प्रदेश

अमित चौधरी
अवध, जिला पंचायत, गौतम बुद्ध नगर

श्रीकान्त शर्मा
शिवपुर, बुध्वा

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

केशव प्रसाद मौर्य
उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

डॉ. महेश शर्मा
सोसल, गौतम बुद्ध नगर

धीरेन्द्र सिंह
शिवपुर, जैत

राजेश चौधरी
शिवपुर, जैत

जयवीर सिंह
शिवपुर, बटौली

किंजरापु राममोहन नायडू
मंत्री, भागल विमानन, भारत सरकार

ब्रजेश पाठक
उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

सुरेंद्र सिंह नागर
सदस्य, राज्य सभा

संजय कुमार शर्मा
शिवपुर, अणुखंड

सुरेंद्र दिलेर
शिवपुर, जैत

लक्ष्मी राज सिंह
शिवपुर, सिंघेयत

एवं अन्य गणमान्य महाहोमाव

दिनांक : 28 मार्च, 2026 | समय : पूर्वाह्न 11:30 बजे | स्थान : जैवर, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश

विकास की गति अपार-डबल इंजन सरकार

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश | JEEB प्रभाग | DO NEWS & Youtube.com/DONEWS

दिल्ली में मौसम का मिजाज बदला, बारिश और तेज हवाओं का यलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में कड़कती धूप और बढ़ती गर्मी के बीच मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर में अगले चार दिनों तक तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना जताते हुए यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम में यह बदलाव 28 मार्च से सक्रिय हो रहे एक नए पश्चिमी विक्षोभ के कारण देखने को मिलेगा, जिसके चलते दिल्ली के विभिन्न इलाकों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश या बूंदबांदी हो सकती है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, बुधवार रात से ही आसमान में बादलों की आवाजें शुरू होने की उम्मीद है। शुक्रवार को दिन भर बादल छाए रहेंगे और सुबह से दोपहर के बीच गरज-चमक के साथ हल्की फुहारें गिरने के आसार हैं। हालांकि 28 मार्च को मौसम थोड़ा शांत रह सकता है, लेकिन 29 मार्च को एक बार फिर बादलों के बरसने की प्रबल संभावना है। सबसे अधिक प्रभाव 30 मार्च को देखने को मिल सकता है, जब दिल्ली में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी और बारिश के साथ मौसम खुशनुमा हो जाएगा। इस बदलाव के बाद तापमान में भी हल्की गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। इससे पहले, बुधवार को दिल्लीवासी तेज धूप और उमस भरी गर्मी से परेशान रहे। दिन का अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से अधिक है, जबकि न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। 25 मार्च को अधिकतम स्तर 37 डिग्री और न्यूनतम 15 मिनट रहा। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले दिनों में होने वाली यह बूंदबांदी मार्च के अंत में बढ़ते पारे पर लगातार लगाएगी और घुल बरी हवाओं से भी राहत दिलाएगी।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भारत-मिडिल ईस्ट के बीच 22 नई फ्लाइट बढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया और उसकी सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने शुक्रवार के लिए अद्यतन अंतरराष्ट्रीय उड़ान कार्यक्रम जारी किया है, जिसमें भारत और पश्चिम एशिया के प्रमुख गंतव्यों के बीच संचालित होने वाली 22 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ानों की पुष्टि की है। एयरलाइनों ने बताया कि संशोधित योजना क्षेत्र में वर्तमान यात्रा पैटर्न और परिचालन आवश्यकताओं को दर्शाती है। मीडिया रिपोर्ट में बयान के मुताबिक एयर इंडिया जेड से आने-जाने वाली चार निर्धारित उड़ानें संचालित करेगी, जिनमें दिल्ली और मुंबई से दो-दो उड़ानें शामिल हैं। मुंबई-रियाद मार्ग पर दो और निर्धारित उड़ानें संचालित होंगी। बयान में कहा गया है कि एयर इंडिया एक्सप्रेस मस्कट और रियाद से आने-जाने वाली चार-चार उड़ानों के साथ इन मार्गों को और मजबूत करेगी। मस्कट की उड़ानें दिल्ली और मुंबई से संचालित होंगी, जबकि रियाद की उड़ानें बंगलुरु और कोलकोटा से चालू होंगी। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों एयरलाइनों हवाई अड्डों पर उपलब्ध स्लॉट और मौजूदा जमीनी परिस्थितियों के आधार पर संपूर्ण अरब अमीरात से आने-जाने वाली आठ अनियमित उड़ानें भी संचालित करेगी। इन अनियमित उड़ानों का उद्देश्य यात्रियों की भारी मांग को प्रबंधित करना और उनके लिए अधिक क्षमता सुनिश्चित करना है। प्रेस नोट में उस दिन की निर्धारित, अनियमित और अस्थायी रूप से निलंबित सेवाओं की पूरी सूची दी गई है। जेड, रियाद और मस्कट जैसे मार्गों पर नियमित उड़ानें जारी रहेंगी, जबकि दुबई और अबू धाबी समेत यूएई के कुछ एयरपोर्ट पर केवल अनियमित उड़ानें ही चलेंगी।

पेड पीरियड लीव: कर्नाटक सरकार के आदेश के खिलाफ कोर्ट पहुंची 15 कामकाजी महिलाएं

जयपुर (एजेंसी)। बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक में कामकाजी महिलाओं के लिए पेड पीरियड लीव को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। राज्य की कांग्रेस सरकार ने 20 नवंबर 2025 को सभी सरकारी और निजी सेक्टर की महिलाओं को हर महीने एक दिन की पेड पीरियड लीव देने का आदेश दिया था। इस आदेश के तहत महिलाओं को उस दिन की सेलरी भी मिलेगी। हालांकि, कर्नाटक सरकार के आदेश के खिलाफ अब बेंगलुरु की 15 निजी कंपनियों में मैनजर पद पर कार्यरत महिलाओं ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इन महिलाओं का तर्क है कि पुरुष और महिला के बीच अलग नियम बनाना कार्यस्थल पर समानता के सिद्धांत के खिलाफ है। उनका कहना है कि इस तरह की अनिवार्य छुट्टी महिलाओं को कमजोर दिखाने वाली सोच को बढ़ावा देती है और नियोक्ता उन्हें पुरुषों से कम सक्षम समझ सकते हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने रेप के आरोपी को नहीं दी जमानत, भरोसा तोड़ना भी माना अपराध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार के आरोपी को जमानत देने से इंकार किया है। जस्टिस गिरीश कटपालिया की बेंच ने आदेश में कहा कि यह मामला केवल बलात्कार तक सीमित नहीं है, बल्कि रिश्ते में भरोसे को तोड़ना भी अपराध है। पीड़िता ने आरोपी को अपना भाई मानकर राखी बांधी थी और पीड़िता उस पर भरोसा करती थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने बताया कि एफआईआर में पीड़िता ने घटना विस्तार से बताकर कहा कि उसने विरोध करने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने पीड़िता को कांध कर कपड़े से मुह बंद कर दिया। जस्टिस कटपालिया ने कहा, फ्रेश सिर्फ बलात्कार का मामला नहीं है। पीड़िता ने आरोपी को अपना भाई माना और उस पर भरोसा किया। इन परिस्थितियों को देखकर जमानत देना उचित नहीं है। मामला साल 2021 का है, जब 13 साल की नाबालिग ने आरोप लगाया कि आरोपी ने वहाने से होटल ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया। उसी साल रेप का केस दर्ज होने के बाद आरोपी हिरासत में था। मार्च 2026 में उसने जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटिया।

आरोपी के वकील विवेक त्रिपाठी ने जमानत का आधार पर बताया कि आरोपी बीते साढ़े चार साल से हिरासत में है। वहीं, दिल्ली पुलिस की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक संजीव सभरवाल ने अपराध की गंभीरता को देखकर जमानत देने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि ट्रायल कोर्ट में पीड़िता की गवाही पूरी तरह से अभियोजन के पक्ष में है और अब केवल दो औपचारिक गवाहों की जांच बाकी है। दिल्ली हाईकोर्ट के इस आदेश से यह स्पष्ट हो गया कि नाबालिग के प्रति भरोसे का उल्लंघन भी गंभीर अपराध माना जाएगा। अदालत ने कहा कि जमानत देने से न्याय के अधिकार और पीड़िता के विश्वास की रक्षा पर प्रभाव पड़ सकता है। इस प्रकार, आरोपी को जमानत याचिका खारिज कर दी गई।

सीएम नीतीश से मिला बेटा निशांत तो कौन सी बड़ी खबर हो गई? कहीं कमाने गए थे क्या?

-कांग्रेस नेता बोले- नीतीश कुमार निपट गए और अब उनके बेटे को निपटाना चाहती बीजेपी

पटना (एजेंसी)। सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को लेकर बिहार कांग्रेस ने बीजेपी पर हमला बोला। बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने शुक्रवार को कहा कि नीतीश कुमार निपट गए, अब उनके और अब उनके बेटे को बीजेपी निपटाना चाहती है। राठौड़ ने अखबारों का हवाला देते हुए कहा कि एक विचित्र खबर छपी है कि बिहार के सीएम नीतीश कुमार का 50 साल के बेटे निशांत कुमार जो 50 साल के बेटे में रहते हैं, उन्हीं की रोटी पर पकते हैं, लेकिन कल अपने पिता से मिले। कहा से आकर मिले? कहीं कमाने गए थे कि

चिड़ियाखाना से आकर मिले? मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राठौड़ ने कहा कि मुझे लगता है कि बीजेपी की एक बड़ी साजिश है। पहले तो नीतीश कुमार को निपटा दिया था फिर नीतीश कुमार निपट गए, अब उनके बेटे को जगह मिलने से पहले निपटाना चाहती है। नीतीश कुमार का बेटा निशांत जो 50 साल का बेटेजगार है, वह 20 साल से नीतीश कुमार के घर में रहा है। वह उनसे मिला तो कौन सी बड़ी खबर हो गई? बंद कमरे में बात हुई तो क्या नीतीश कुमार के घर पर कोई दूसरा भी सोता है आकर मिले? कहीं कमाने गए थे क्या? जनता सोती है क्या?

राजेश राठौड़ ने कहा कि मुझे लगता है कि बीजेपी की साजिश है कि नीतीश कुमार के साथ-साथ उनके बेटे को भी निपटा दें। उनके बेटे का अखबार में बयान भी छपता है कि 2005 के पहले क्या था? राठौड़ ने कहा कि 2005 के बाद निशांत पिताजी ने बिहार को बेरोजगार बना दिया। सारे चीनी मिल बंद हो गए। आपके पिता को पांच साल के लिए मौका मिला है तो उसमें भी वो तीन बार सरकार बना लेते हैं। पूरे बिहार को भय डराना दिया जलालों, माफिया और कमिश्नखोरों की सरकार बनाकर रख दी है।



रामनवमी जुलूस पर पथराव, मची अफरा-तफरी, कई घायल, एक दर्जन लोगों पर मामला दर्ज

मुंबई। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले के श्रीरामपुर शहर में रामनवमी का जुलूस निकाल रहा था। गुरुवार शाम जुलूस सख्यद बाबा चौक से गुजरा, तभी अचानक पथराव शुरू हो गया। जुलूस में शामिल लोग नाच-गा रहे थे, तभी मस्जिद के पीछे से अज्ञात लोगों ने पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। इस पथराव में तीन लोग घायल हो गए। घायलों में से एक की हालत गंभीर थी, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पथराव होते ही जुलूस में अफरा-तफरी मच गई और कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। पुलिस ने तुरंत मोर्चा संभाला और भीड़ को वहां से हटाया। लोगों को समझा-बुझाकर शांति बनाए रखने की अपील की। पुलिस ने मस्जिद के मौलाना समेत 10 से 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

चंडीगढ़ में दो दिवसीय एयर शो का आगाज, सूर्यकिरण टीम ने दिखाए रोमांचक करतब



-सुरक्षा के कड़े इंतजाम के बीच सुखना लेक आम लोगों के लिए बंद

चंडीगढ़ (एजेंसी)। सुखना लेक पर शुक्रवार से दो दिवसीय एयर शो का भव्य आगाज हुआ, जिसमें भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम ने आसमान में शानदार करतब दिखाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। शो देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे, हालांकि प्रवेश केवल प्री-बुकिंग के आधार पर ही दिया गया।

एयर शो के दौरान हर दिन लगभग 10 हजार दर्शकों के पहुंचने का अनुमान है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सुखना लेक को आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया है। आयोजन स्थल पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं और जांच के बाद ही लोगों को प्रवेश दिया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चंडीगढ़ के चीफ सेक्टर राजेश प्रसाद भी मौजूद रहे। प्रशासन ने दर्शकों के लिए खुले में बैठने की विशेष व्यवस्था की है ताकि

सभी लोग आराम से एयर शो का आनंद ले सकें। इस एयर शो की खास बात यह है कि इसमें चंडीगढ़ के दो पायलट भी हिस्सा ले रहे हैं। विंग कमांडर तेजेश्वर सिंह सूर्यकिरण टीम का नेतृत्व कर रहे हैं, जबकि विंग कमांडर दिवाकर शर्मा भी टीम का हिस्सा हैं। तेजेश्वर सिंह अभी पब्लिक स्कूल, चंडी मंदिर के 2005 बैच के छात्र रह चुके हैं। उनके साथ फ्लाइट लैंग्विज कप्तान संधू भी टीम में शामिल हैं।

एयर शो के दौरान राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीम भी तैनात की गई है, जो आसमान में उड़ने वाले पक्षियों पर नजर रख रही है, ताकि विमानों को उड़ान में कोई बाधा न आए। हालांकि सुबह हल्की बूंदबांदी हुई, लेकिन इसका कार्यक्रम पर कोई असर नहीं पड़ा और तय समय पर एयर शो सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह आयोजन शहरवासियों और पर्यटकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हंगामा: खामेनेई के पोस्टरों पर गटरमाया माहौल, विधायकों के बीच धक्का-मुक्की

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में शुक्रवार को कार्यवाही शुरू होने से पहले ही माहौल तनावपूर्ण हो गया। अरुण पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के मुद्दे पर नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और पीडीपी (पीडीपी) के विधायकों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी विधायक हाथों में खामेनेई के पोस्टर और तस्वीरें लेकर सदन में पहुंचे और उनके समर्थन में नारेबाजी की। इसी बीच कुछ विधायकों के बीच धक्का-मुक्की भी हो गई, जिससे सदन की कार्यवाही बाधित हुई।

प्रदर्शन कर रहे विधायकों का कहना था कि किसी भी देश को दूसरे देश पर हमला करने का अधिकार नहीं है और इस घटना की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा होनी चाहिए। नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक तनवीर सादिक ने कहा कि उनकी पार्टी और जम्मू-कश्मीर सरकार ईरान के साथ खड़ी है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पहले भी इस तरह की घटनाओं की निंदा कर चुके हैं। गौरतलब है कि 28 फरवरी को इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमले में खामेनेई की मौत की खबर सामने आई थी, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव की स्थिति बनी हुई है। इसी मुद्दे को लेकर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में



कांग्रेस और बीजेपी विधायकों के बीच झड़प

इस बीच, विधानसभा के भीतर एक अलग मुद्दे पर कांग्रेस और बीजेपी विधायकों के बीच तीखी झड़प हो गई। बताया गया कि कांग्रेस विधायक इरफान हाफिज द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी की जा रही थी। इसके

जवाब में बीजेपी विधायक युद्धवीर सेठी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर टिप्पणी की, जिससे विवाद और बढ़ गया। देखते ही देखते बहस ने उग्र रूप ले लिया और दोनों पक्षों के विधायकों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। स्थिति को बिगड़ता देख अन्य सदस्यों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराने की कोशिश की। हालांकि, हंगामा बढ़ने के कारण सदन की कार्यवाही कुछ समय के लिए स्थगित करनी पड़ी।

जवाब में बीजेपी विधायक युद्धवीर सेठी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर टिप्पणी की, जिससे विवाद और बढ़ गया। देखते ही देखते बहस ने उग्र रूप ले लिया और दोनों पक्षों के विधायकों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। स्थिति को बिगड़ता देख अन्य सदस्यों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराने की कोशिश की। हालांकि, हंगामा बढ़ने के कारण सदन की कार्यवाही कुछ समय के लिए स्थगित करनी पड़ी।

छोटी बच्ची ने भेंट किया खिलौना बुलडोजर हंसी नहीं रोक सके सीएम योगी

-बच्ची के साथ खिंचवाई तस्वीर, खूब पढ़ने की दी नसीहत, गोरखपुर दौरे पर हैं सीएम

गोरखपुर (एजेंसी)। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ गोरखपुर दौरे पर हैं। शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में भ्रमण के दौरान उन्हें कानपुर से आई एक छोटी बच्ची ने खिलौना बुलडोजर भेंट किया। ये नजारा देखकर वहां मौजूद सभी हंसने लगे। सीएम योगी भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए। उन्होंने पहले तो बच्ची को पास बुलाया, फोटो खिंचवाई और फिर उसे खूब पढ़ाई करने की नसीहत दी। बाद में सीएम ने बच्ची को उसका खिलौना वापस कर दिया।

कतई के बीच एक अद्भुत संतुलन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि धर्म, सत्य और मर्यादा के सर्वोच्च प्रतीक भगवान राम की जयंती पर सभी भक्तों और प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। बता दें गुरुवार को गोरखपुर में सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे अवैध जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें और चेतावनी दी कि गरीबों को परेशान करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। सीएम ने जनात दर्शन में 200 लोगों से मुलाकात की, उनके आवेदन लिए और उन्हें भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी शिकायतों को दूर करने के लिए प्रभावी कार्रवाई करेगी। योगी ने संबंधित प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को आवेदन भेजे, और उन्हें निर्देश दिया कि वे समय पर और संतोषजनक ढंग से उनका निपटारा करें।

फिलहाल, इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। खुद सीएम योगी के ऑफिस की ओर से इसको शेयर किया है। इसमें लिखा है: यह नन्हा सा उपहार बड़े विश्वास का प्रतीक है, यह भरोसे की मासूम अभिव्यक्ति है... आज सुबह गोरखनाथ

मध्यम रह सकते हैं, जैसे बुधवार, खांसी और थकान। कुछ लोगों को ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है। एक्सपर्ट का मानना है कि घबराव की जरूरत नहीं है, लेकिन सतर्क रहना जरूरी है। हेल्थ सिस्टम अब पहले से ज्यादा तैयार है और टेस्टिंग, इलाज और वैक्सिनेशन के बेहतर इंतजाम मौजूद हैं। इसके बावजूद, निगरानी बनाए रखना बेहद जरूरी है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोक जा सके।

मंदिर में भ्रमण के दौरान सीएम को कानपुर की पांच साल की यशस्विनी ने बुलडोजर खिलौना भेंट किया। वीडियो को मिनटों में हजारों लोग ने देखा। बता दें इससे पहले सीएम योगी ने शुक्रवार को राम नवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान राम भारतीय चेतना के आदर्श का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने एक्स पर कहा कि राम करुणा और

राहुल गांधी में कार्यकर्ता जितनी समझ अच्छी बात, कार्यकर्ता जमीन से जुड़ा होता है

-केरल के सीएम विजयन के बयान पर कांग्रेस नेताओं ने जताई आपत्ति



नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल सीएम की ओर से राहुल गांधी की समझ पर सवाल उठाने पर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जताई है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि यह तो अच्छी बात है न कि राहुल जी के अंदर कार्यकर्ता जितनी समझ है, वयोंकि कार्यकर्ता जमीन से जुड़ा होता है। हमें इस बात पर गर्व है। जो लोग हवा में उड़ते हैं वो यह नहीं जानेंगे। बता दें एक दिन पहले केरल सीएम पिनाराय विजयन ने कहा था कि राहुल गांधी एक नेशनल लीडर हैं, फिर भी उनमें कांग्रेस के एक आम लोकल वर्कर जितनी बेसिक जानकारी भी नहीं है। वे अपने अनुभव या गलतियों से भी नहीं सीखते। यह समझना मुश्किल है कि उनका इतना बुरा हाल कैसे हो रहा है। वहीं कांग्रेस सांसद के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि केरल में हम आसानी से जीतेंगे। हमारी उम्मीदें दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। लोगों का मूड कांग्रेस पार्टी और युडीएफ के पक्ष में है। आप देख सकते हैं कि केरल का पूरा मुड़ बदलाव का है, सरकार बदलने का है। हमें चुनाव जीतने का पूरा भरोसा है।

अमेरिका में फिर बढ़ने लगे कोरोना के मामले... भारत में क्या स्थिति

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिका में फिर कोरोना के मामलों में अचानक बढ़ोतरी ने चिंता पैदा कर दी है। नई रिपोर्ट्स के मुताबिक, वायरस का एक नया बी.ए.3.2 वैरिएंट सामने आया है। सीडीसी के अनुसार, 11 फरवरी तक बी.ए.3.2 वैरिएंट 23 देशों में मिला है। एक्सपर्ट का कहना है कि यह वैरिएंट इम्यून सिस्टम को आंशिक रूप से चकमा देने की क्षमता रखता है, जिससे दोबारा इन्फेक्शन का खतरा बढ़ सकता है। हालांकि डॉक्टरों का मानना है कि मौजूदा स्थिति पहले जैसी

गंभीर नहीं है। पिछले कुछ सालों में बड़ी संख्या में लोग वैक्सिन ले चुके हैं या इन्फेक्शन से गुजर चुके हैं, जिससे लोगों में हार्डिबंड इम्यूनटी विकसित हो चुकी है। इसका कारण भले ही इन्फेक्शन बढ़े, लेकिन गंभीर मामलों की संभावना पहले की तुलना में कम हो सकती है। अब सवाल उठता है कि क्या इसका असर भारत पर भी पड़ सकता है? एक्सपर्ट्स के मुताबिक, कोरोना वायरस का खतरा बढ़ सकता है। हालांकि डॉक्टरों का मानना है कि मौजूदा स्थिति पहले जैसी

समय-समय पर इसके केस बढ़ते-घटते रहने वाले हैं। हालांकि, एक्सपर्ट्स का कहना है कि सिर्फ नए वैरिएंट के आने का मतलब यह नहीं है कि फिर से महामारी जैसी स्थिति बनेगी। जानकार डॉक्टर ने बताया कि कोरोना वायरस अब एक एंजिमिक बीमारी बन चुका है, यानी यह पूरी तरह खत्म नहीं होगा बल्कि समय-समय पर नए रूप में आता रहेगा। डॉक्टर का कहना है कि नए वैरिएंट की वजह से इन्फेक्शन के मामले बढ़ सकते हैं। लेकिन ज्यादातर मामलों में लक्षण हल्के से

मध्यम रह सकते हैं, जैसे बुधवार, खांसी और थकान। कुछ लोगों को ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है। एक्सपर्ट का मानना है कि घबराव की जरूरत नहीं है, लेकिन सतर्क रहना जरूरी है। हेल्थ सिस्टम अब पहले से ज्यादा तैयार है और टेस्टिंग, इलाज और वैक्सिनेशन के बेहतर इंतजाम मौजूद हैं। इसके बावजूद, निगरानी बनाए रखना बेहद जरूरी है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोक जा सके।



होर्मुज स्ट्रेट खुला लेकिन समुद्री बीमा प्रीमियम महंगा, शिपिंग लागत और जोखिम बढ़े

नई दिल्ली। ईरान ने कहा है कि गैर-आक्रामक जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजर सकते हैं यदि वे ईरानी अधिकारियों के साथ समन्वय करें। हालांकि यह कदम कुछ राहत देने वाला प्रतीत हो सकता है, बीमा विशेषज्ञों का मानना है कि क्षेत्रीय अनिश्चितता और हालिया तनावों के कारण समुद्री युद्ध बीमा प्रीमियम अभी भी ऊंचे रहेंगे। एक समुद्री विशेषज्ञ ने कहा कि हाल की घटनाओं से प्रीमियम में कोई तत्काल कमी नहीं आएगी। स्थिति अस्थिर बनी हुई है और किसी भी नए हमले या तनाव से प्रीमियम फिर बढ़ सकते हैं। वर्तमान में युद्ध बीमा पर लगभग 0.5 प्रतिशत और समुद्री पतवार बीमा पर 5-7.5 प्रतिशत अतिरिक्त प्रीमियम लगाया जा रहा है। होर्मुज स्ट्रेट के माध्यम से दुनिया के लगभग एक-पांचवां तेल और एलएनजी शिपमेंट गुजरते हैं। हाल के हमलों और राजनीतिक तनाव ने कई पुनर्बीमाकर्ताओं को इस मार्ग को उच्च जोखिम क्षेत्र घोषित करने और बीमा दरें बढ़ाने के लिए मजबूर किया है। कई शिपिंग कंपनियों ने इस मार्ग से आवागमन भी रोक दिया है। लाल सागर और काला सागर के साथ यह क्षेत्र भी मौजूदा तनाव के कारण उच्च जोखिम वाला माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि केवल ईरान की घोषणा से समुद्री युद्ध बीमा दरों में कमी संभव नहीं। स्थायी शांति और स्पष्ट राजनीतिक समाधान के बिना प्रीमियम ऊंचे बने रहेंगे। बीमा कंपनियों की नजर सतर्क रहेगी और समय के साथ स्थिरता दिखाई देने तक उच्च प्रीमियम जारी रहेंगे।

एनसीआर में तीन गुना महंगी हो गई प्रॉपर्टी, सिर्फ तीन साल में बढ़े भाव

वर्ष 2020 से 2025 के बीच फ्लैट की कीमतें लगभग तीन गुना, प्लॉट की औसतन डेढ़ गुना वृद्धि

नई दिल्ली।



राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में रियल एस्टेट की डिमांड हमेशा उच्च रही है, लेकिन यमुना एक्सप्रेसवे के पास नोएडा और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र विशेष रूप से निवेशकों के लिए आकर्षक बन गया है। एक रियल एस्टेट कंसल्टेंसी कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2020 से 2025 के बीच फ्लैट की कीमतें लगभग तीन गुना बढ़ी हैं, जबकि प्लॉट की कीमतों में औसतन डेढ़ गुना वृद्धि हुई है। कुछ चुनिंदा इलाकों में यह वृद्धि 5 गुना तक पहुंच गई, जो निवेशकों की बढ़ती रुचि और बुनियादी ढांचे के विकास को दर्शाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह तेजी मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश के जेवर में बन रहे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जुड़े बुनियादी ढांचे विकास के कारण है। कंपनी के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान बाजार में स्थिरता आने की उम्मीद है, जिसमें फ्लैट की मांग में बढ़त और प्लॉट की कीमतों में सीमित वृद्धि देखने को मिल सकती है। पिछले वर्ष इस क्षेत्र में फ्लैट की औसत कीमत लगभग 9,600 रुपये प्रति वर्ग फुट और प्लॉट की कीमत लगभग 2,500 रुपये प्रति वर्ग फुट थी। रिपोर्ट के अनुसार आगले दो वर्षों में यह बढ़कर फ्लैट के लिए 11,800 रुपये प्रति वर्ग फुट और प्लॉट के लिए 3,200 रुपये प्रति वर्ग फुट तक पहुंच सकता है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि आगामी दो साल में कीमतों में वृद्धि लगभग 22 प्रतिशत के आसपास रहेगी। विशेषज्ञों के अनुसार, फ्लैट या प्लॉट में निवेश करने का यह समय उपयुक्त है। लंबी अवधि में रिटर्न की संभावना देखते हुए, निवेशकों के लिए यह अवसर सुनहरा कहा जा सकता है।

तेल की कीमतों और विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से बढ़ा दबाव

नई दिल्ली। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, डॉलर की मजबूती और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के चलते रुपया 86 पैसे टूटकर 94.82 के ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गया। इसके साथ ही पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने भी बाजार की अनिश्चितता को बढ़ाया, जिसका असर भारतीय मुद्रा पर साफ दिखा। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, फिलहाल करेसी पर दबाव बना रह सकता है। मालूम हो कि पिछले कुछ कारोबारी सत्र में डॉलर के मुकाबले रुपये में भारी गिरावट देखी गई है। इंटरबैंक फॉरिस मार्केट में रुपया 94.18 के स्तर पर खुला और कारोबार के दौरान

पहली बार 94.50 के पार निकल गया। अंत में यह और फिसलकर नए रिकॉर्ड लो 94.82 पर बंद हुआ। इससे पहले बुधवार यानी 25 मार्च को भी रुपया 20 पैसे टूटकर 93.96 के स्तर पर बंद हुआ था। गुरुवार को रामनवमी के कारण बाजार बंद रहे थे। रुपये में गिरावट का यह सिलसिला मंगलवार से जारी है। मंगलवार को रुपया 23 पैसे कमजोर होकर 93.76 पर बंद हुआ था। बुधवार को अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 93.94 पर खुला और 93.86 से 94.08 के बीच कारोबार करने के बाद अपने अब तक के सबसे निचले बंद स्तर पर पहुंचा। मध्य पूर्व में जारी तनाव भी रुपये पर दबाव डाल रहा है। गिरावट के प्रमुख कारण रुपये की इस लगातार गिरावट के पीछे कई प्रमुख कारण हैं। विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय बाजारों से पूंजी की लगातार निकासी एक बड़ा कारक है। इसके साथ ही, ईरान में जारी संकट और व्यापक मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक निवेशकों की धारणा को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। इन कारकों के चलते रुपये पर लगातार दबाव बना हुआ है। 2011-12 के बाद रुपए में सबसे बड़ी गिरावट गिरावट का वित्त वर्ष अंत में आंकड़ों के मुताबिक, एक दशक से भी ज्यादा



समय में यह पहली बार है, जब रुपया एक ही साल में इतना ज्यादा गिरा है। इससे पहले साल 2011-12 में यूरोजोन संकट के दौरान रुपए में करीब 14 प्रतिशत की गिरावट आई थी। 31 मार्च 2025 से अब तक रुपया अपनी वैल्यू से 10 प्रतिशत तक गिर चुका है।

भारत ने डब्ल्यूटीओ से विवाद निपटान प्रणाली को सक्रिय करने का आह्वान किया

मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 29 मार्च को समाप्त होगा

नई दिल्ली। कैमरून के याओन्डे में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) के पहले दिन वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गायल ने सदस्य देशों से विवाद निपटान प्रणाली को पूरी तरह से सक्रिय करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा अपीलियु निकाय में नियुक्तियों में बाधा डालने के कारण यह प्रणाली 2009 से ठीक से काम नहीं कर रही है। मंत्री ने इसे स्वचालित और बाध्यकारी बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। गायल ने कहा कि 1998 से इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर सीमा शुल्क नहीं लगाने की डब्ल्यूटीओ सहमति को लेकर सावधानीपूर्वक पुनर्विचार जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके दायरे और संभावित राजस्व प्रभावों को ध्यान में रखते हुए ही स्थान को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। मंत्री ने जोर दिया कि डब्ल्यूटीओ सुधार पारदर्शी, समावेशी और सदस्य-संचालित प्रक्रिया के माध्यम से होने चाहिए। उन्हें विकास, समानता और गैर-भेदभाव जैसे मूलभूत सिद्धांतों के पालन पर विशेष ध्यान रखना चाहिए। गायल ने कहा कि खाद्य सुरक्षा के लिए सार्वजनिक भंडारण, विशेष सुरक्षा उपाय और कपास पर स्थायी समाधान लंबित मुद्दे हैं और इन्हें प्राथमिकता के आधार पर निपटारा जाना चाहिए। उन्होंने मछली पकड़ने के लिए व्यापक सब्सिडी समझौते पर चर्चा की आवश्यकता पर बल दिया, जो गरीब मछुआरों की आजीविका सुरक्षित रखे और संसाधनों के संतुलित उपयोग को सुनिश्चित करे। गायल ने कहा कि डब्ल्यूटीओ को वैश्विक व्यापार का केंद्र बनाए रखना जरूरी है। सुधारों का लक्ष्य जवाबदेही बढ़ाना, विकास और समावेश को बढ़ावा देना, और गरीब व कमजोर देशों के हितों की रक्षा करना होना चाहिए। चार दिवसीय मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 29 मार्च को समाप्त होगा।

मिडिल ईस्ट तनाव का असर, रुपया टूटा, 94 प्रति डॉलर के पार पहुंचा

महंगे कच्चे तेल और बढ़ती डॉलर मांग ने भारतीय मुद्रा पर बढ़ाया दबाव

मुंबई।

मिडिल ईस्ट में जारी भू-राजनीतिक तनाव अब वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा असर डाल रहा है, और भारत भी इससे अछूता नहीं है। शुक्रवार को भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। दिन के कारोबार के दौरान रुपया 94.1575 प्रति डॉलर तक गिर गया, जो इससे पहले के 93.98 के रिकॉर्ड स्तर से भी नीचे है। पिछले कुछ हफ्तों में रुपया करीब 3.5 फीसदी तक कमजोर हो चुका है। इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह कच्चे तेल की कीमतों में तेजी है। मिडिल ईस्ट में संघर्ष के कारण तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका बनी हुई है, जिससे

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं। भारत, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इस स्थिति से सीधे प्रभावित हो रहा है। तेल महंगा होने पर भारत को अधिक डॉलर खर्च करने पड़ते हैं, जिससे डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया कमजोर होता है। इसका असर सिर्फ मुद्रा तक सीमित नहीं है। वैश्विक शेयर बाजारों में गिरावट और बांड यील्ड में तेजी से निवेशकों की चिंता बढ़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती महंगाई को नियंत्रित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक को ब्याज दरें बढ़ानी पड़ सकती हैं।

वहीं, कुछ विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि यदि हालात नहीं सुधरे तो रुपया 98 प्रति डॉलर

दिल्ली हवाई अड्डा में विदेशी एयरलाइनों को अस्थायी अतिरिक्त स्लॉट आवंटित

नई दिल्ली। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डीआईएल) ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में व्यवधान के बीच कुछ विदेशी एयरलाइनों को अस्थायी अतिरिक्त स्लॉट आवंटित किए हैं। यह कदम यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के संचालन में होने वाले व्यवधान को कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है। सुत्रों के अनुसार ये अतिरिक्त स्लॉट अप्रैल और मई के महीने के लिए हैं। इन एयरलाइनों में केएलएम और एयर कनाडा शामिल हैं। डायल का यह कदम एयरलाइनों को अधिक उड़ानें संचालित करने और यात्रियों को बेहतर विकल्प देने में मदद करेगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि हवाई यात्रा में किसी भी तरह की व्यवधान का असर कम से कम महसूस हो। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआईए) देश का सबसे बड़ा और व्यस्ततम हवाई अड्डा है। यह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य करता है। डायल द्वारा अतिरिक्त स्लॉट आवंटन यह दर्शाता है कि हवाई अड्डा विदेशी एयरलाइनों को समर्थन देने और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की निरंतरता बनाए रखने के लिए सक्रिय कदम उठा रहा है।

शेयर बाजार में उथल-पुथल के बीच राइट्स इश्यू ने क्यूआईपी को पीछे छोड़ा

राइट्स इश्यू की संख्या कई दशक के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2025-26 में शेयर बाजार में अस्थिरता के चलते कंपनियों ने पूंजी जुटाने के तरीके बदल दिए। इस साल राइट्स इश्यू की संख्या दोघुनी से भी ज्यादा बढ़कर 51 हो गई, जो वित्त वर्ष 1997 के बाद सबसे अधिक है। कंपनियों ने इन निर्णयों से लगभग 44,290 करोड़ रुपए जुटाए। प्रमुख राइट्स इश्यू में अदाणी एंटरप्राइजेज ने 24,930 करोड़ रुपए और महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज ने 3,000

भावेश ए शाह के अनुसार, क्यूआईपी बाहरी निवेशकों पर निर्भर करता है, जो बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। वहीं राइट्स इश्यू में मौजूदा शेयरधारकों से पूंजी जुटाई जाती है, जिससे अस्थिर बाजार में यह अधिक व्यवहारिक बन जाता है। सेबी ने राइट्स इश्यू की प्रक्रिया को सरल बनाया है। अब बोर्ड की मंजूरी के बाद निर्णय 23 कार्यदिवस में लाया जा सकता है, मसौदा पत्र जमा करने की जरूरत नहीं और मर्चेन्ट बैंकर नियुक्त करने की

बाध्याता भी समाप्त कर दी गई है। राइट्स इश्यू आम तौर पर शेयरधारकों को रियायती दर पर शेयर उपलब्ध कराता है, जिससे निवेशकों को लाभ होता है।

ओला इलेक्ट्रिक ने लॉन्च किया एस1 एक्स स्कूटर, कीमत 9,999 रुपए से

नई दिल्ली।

ओला इलेक्ट्रिक ने भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के तेजी से अपनाने को बढ़ावा देने के लिए 'एंड आईसीई एज' अभियान शुरू किया है। इस पहल के तहत कंपनी अपने एस1 एक्स (2 किलोवाट-घंटा) और रोडस्टर एक्स (2.5 किलोवाट-घंटा) मॉडल की शुरुआती कीमत केवल 49,999 रुपये रख रही है। इसके अलावा पूरे उत्पाद समूह पर 50,000 रुपये तक के लाभ भी मिलेंगे, जो 31 मार्च, 2026 तक मान्य होंगे। ओला इलेक्ट्रिक ने ग्राहकों के लिए सेवा और भरोसे के कई उपाय किए हैं। अब सभी एस1 स्कूटर और रोडस्टर मोटरसाइकिल पर 8 साल की विस्तारित वारंटी दी जाएगी। इसके साथ ही तय समय के भीतर सेवा, खरीद वापसी गारंटी और यदि सेवा में देरी होती है तो फ्री टैक्सी सुविधा भी उपलब्ध होगी। कंपनी का कहना है कि यह पहल ग्राहकों को लंबी अवधि तक सुविधा और भरोसा देती है। ओला इलेक्ट्रिक के एक अे धिकारी के अनुसार कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने ऊर्जा सुरक्षा के महत्व को फिर से उजागर किया है। उन्होंने कहा कि देश को वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर तेजी से बढ़ना होगा। 'एंड आईसीई एज' अभियान का उद्देश्य ग्राहकों को किफायती कीमत, भरोसेमंद सेवा और भविष्य में आसान बदलाव के साथ इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

गुजरात में समानता का नया अध्याय: यूसीसी-2026 से महिलाओं को मिला सशक्त कानूनी कवच

गांधीनगर (ईएमएस)। वित्तीय वर्ष के अंतिम महीने (मार्च) में जब लोग पूरे वर्ष का लेखा-जोखा करने में व्यस्त थे, तब मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात समान नागरिक संहिता विधेयक-2026 विधानसभा में प्रस्तुत कर महिलाओं का पुराना ऋण चुकाया, महिलाओं के जीवन से असमानता को दूर किया और समानता का हिसाब पूरा कर दिया। यह विधेयक पारित कर सरकार ने नारियों के सम्मान को झंकृत करने वाले एक संस्कृत श्लोक का स्मरण कराया। यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः। न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः॥ अर्थात् जहाँ नारियों का सम्मान होता है, वहाँ देवता वास करते हैं और जहाँ नारियों का सम्मान नहीं होता है, वहाँ सभी कार्य विफल जाते हैं। गुजरात समान नागरिक संहिता विधेयक-2026 पारित कर गुजरात सरकार ने इस श्लोक को

चरितार्थ किया और कानूनी संरक्षण देकर नारियों का अभूतपूर्व सम्मान किया है। गुजरात विधानसभा में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात समान नागरिक संहिता विधेयक-2026 पारित कर राज्य की महिलाओं को अंधकार सुरक्षा कवच प्रदान किया है और इस बात की प्रतीति कराई है कि महिलाओं के जीवन के सभी चरणों में यह सरकार उनके अधिकारों एवं गरिमा की रक्षा करती है तथा यह सरकार किसी भी जाति या धर्म के भेदभाव के बिना सभी महिलाओं को कानूनी संरक्षण देने को कटिबद्ध है। यह विधेयक प्रस्तुत करते समय मुख्यमंत्री ने गुजरात विधानसभा में गर्व से कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सरदार साहब के एक एवं अखंड भारत के सपने को साकार करने के लिए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का विचार दिया है, वह विचार ही समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मूल है। यदि देश में समान कानून, विकास के समान अवसर न हों, तो यह 'एक भारत,

CHANGE OF NAME
I HAVE CHANGED MY NAME FROM TARABEN KAILASHCHAND SUTHAR TO TARABEN KAILASHCHANDRA SUTHAR AS PER DOCUMENT ADDRESS : B1-701 JAS EXOTICA, NAROLI ROAD, SILVASSA-396230

संघ प्रदेस दाखल और नगर हवेली और दमण एवं दीव का केन्द्र शासित प्रदेश प्रशासन
दमण नगर पालिका, दमण
निवेदन आगमन सूचना
[1] नारियली गल्लानी स्ट्रीट से राउंड सिग्नल तक कारोबार, नारी दमण में वरिष्ठ महिला प्रदान करना और ठीक करना।
निवेदन संख्या : 11/2025-26/DM
निवेदन पत्रवाचन संख्या : 2026_DAMAN_4661_1
कार्यवाही करने की अंतिम तिथि : 02/04/2026
हार्द कोरी बना करने की अंतिम तिथि : 06/04/2026
कोरी सुनने की तिथि : 06/04/2026
मुक्त अधिकाारी, दमण नगर पालिका पोस्ट, दमण
NO:IP/DMN/2/5/2025-26/1259 DATE : 27/03/2026

संघ प्रदेस दाखल और नगर हवेली और दमण एवं दीव का केन्द्र शासित प्रदेश प्रशासन
दमण नगर पालिका, दमण
निवेदन आगमन सूचना
[1] दमण में विविध अंतरराष्ट्रीय केन्द्रों में ऑनलाइन भवन की संरचना और नवीनीकरण का कार्य, विभिन्न सिविल कार्य, सड़क, पुल के निर्माण के उपकरण और उपकरणों का कवच बनाने।
निवेदन संख्या : 17/2025-26/DM
निवेदन पत्रवाचन संख्या : 2026_DAMAN_4662_1
कार्यवाही करने की अंतिम तिथि : 02/04/2026
हार्द कोरी बना करने की अंतिम तिथि : 06/04/2026
कोरी सुनने की तिथि : 06/04/2026
मुक्त अधिकाारी, दमण नगर पालिका पोस्ट, दमण
NO:IP/DMN/2/5/2025-26/1258 DATE : 27/03/2026

CHANGE OF NAME
OLD NAME: KANCHANBEN HEMANTBHAI TANDEL
NEW NAME: KANCHANBEN LALLUBHAI TANDEL
ADDRESS: H. No. 11/15, KOTHAPAT SHERI, KATHIRIA, NANI DAMAN, DAMAN - 396210.

संघ प्रदेस दाखल और नगर हवेली एवं दीव का केन्द्र शासित प्रदेश प्रशासन
दमण नगर पालिका, दमण
निवेदन आगमन सूचना
[1] नारियली गल्लानी स्ट्रीट से राउंड सिग्नल तक कारोबार, नारी दमण में वरिष्ठ महिला प्रदान करना और ठीक करना।
निवेदन संख्या : 11/2025-26/DM
निवेदन पत्रवाचन संख्या : 2026_DAMAN_4661_1
कार्यवाही करने की अंतिम तिथि : 02/04/2026
हार्द कोरी बना करने की अंतिम तिथि : 06/04/2026
कोरी सुनने की तिथि : 06/04/2026
मुक्त अधिकाारी, दमण नगर पालिका पोस्ट, दमण
NO:IP/DMN/2/5/2025-26/1260 DATE : 27/03/2026

संघ प्रदेस प्रशासन दाखल एवं नगर हवेली और दमण एवं दीव का केन्द्र शासित प्रदेश प्रशासन
दमण नगर पालिका, दमण
निवेदन आगमन सूचना
[1] दमण में विविध अंतरराष्ट्रीय केन्द्रों में ऑनलाइन भवन की संरचना और नवीनीकरण का कार्य, विभिन्न सिविल कार्य, सड़क, पुल के निर्माण के उपकरण और उपकरणों का कवच बनाने।
निवेदन संख्या : 17/2025-26/DM
निवेदन पत्रवाचन संख्या : 2026_DAMAN_4662_1
कार्यवाही करने की अंतिम तिथि : 02/04/2026
हार्द कोरी बना करने की अंतिम तिथि : 06/04/2026
कोरी सुनने की तिथि : 06/04/2026
मुक्त अधिकाारी, दमण नगर पालिका पोस्ट, दमण
NO:IP/DMN/2/5/2025-26/1262 DATE : 27/03/2026

मलयालम को ताकतवर बनाने का श्रेय लेने की होड़

केरल में विधानसभा चुनावों के बीच मलयालम को राज्य की आधिकारिक भाषा का दर्जा मिलने का श्रेय लेने का सियासी खेल बढ़ता जा रहा है। राज्य का नाम केरलम किया जाना और इसके हफ्तेभर बाद ही मलयालम को आधिकारिक भाषा की मंजूरी मिलना कुछ लोगों की नजर में भले ही संयोग हो, लेकिन ऐसा नहीं है। राज्य में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बजने की औपचारिकता भर बाकी है। इस संदर्भ में राजनीतिक दलों द्वारा इन दोनों कदमों का श्रेय लेने की होड़ मचना स्वाभाविक है। लेकिन भाषा विधेयक को लेकर केरल की सीमाओं के बाहर सवाल भी उठने शुरू हो गए हैं। इसमें दो राय नहीं कि गैर हिंदीभाषी इलाके अपनी भाषाओं और सांस्कृतिक परंपराओं को अपनी अस्मिता से जोड़कर देखते हैं। हिंदीभाषी राज्यों में अपनी हिंदी या स्थानीय भाषाओं को लेकर ऐसी सोच नहीं दिखती।

मलयालम को केरलम की आधिकारिक भाषा बनाने की मांग बहुत पुरानी है। इस दिशा में पहला प्रयास करीब दस साल पहले कांग्रेस की अगुआई वाली संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यानी यूडीएफ की सरकार ने किया था। 2015 में आमन चांडी सरकार ने इस विधेयक को पारित कराया था। लेकिन तब इस विधेयक पर पड़ोसी कर्नाटक सरकार ने कड़ा एतराज जताया था। जब इस विधेयक को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा गया तो राष्ट्रपति ने इसे 1963 के ऑफिशियल भाषा एक्ट के नियमों को हटाकर जमा करने के सुझाव के साथ वापस भेज दिया था। फिर दस साल बाद मौजूदा वाममोर्चा की सरकार ने इसे नए रूप में पारित किया। इस बार भी कर्नाटक इस कानून का विरोध कर रहा है।

अब तक केरल में अंग्रेजी के साथ ही मलयालम को आधिकारिक भाषा के तौर पर प्रतिष्ठा रही है। लेकिन नए कानून के तहत सरकारी और सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूलों में कक्षा 10 तक मलयालम को पहली भाषा के तौर पर अनिवार्य रूप से पढ़ाना जरूरी होगा। इसके साथ ही अदालती फैसलों और कार्यवाही भी अनिवार्य तौर पर मलयालम भाषा में अनूदित की जाएगी। अब से राज्य विधानसभा में सभी बिल और अध्यादेश मलयालम में पेश किए जाएंगे। इसके साथ ही, अंग्रेजी में प्रकाशित महत्वपूर्ण केंद्रीय और राज्य कानूनों का भी मलयालम में अनुवाद होगा। नए कानून के तहत सूचना तकनीकी विभाग को मलयालम के प्रभावी इस्तेमाल के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर और इंस्ट्रुमेंट विकसित करने की जिम्मेदारी दी जा रही है। राज्य सचिवालय में मौजूदा पर्सनल एंड एडमिनिस्ट्रेशन रिफॉर्म (ऑफिशियल



लैंग्वेज) विभाग का नाम बदलकर मलयालम भाषा विकास विभाग किया जा रहा है। इन कदमों के साथ ही राज्य में मलयालम भाषा विकास निदेशालय भी गठित किया जाएगा। भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक की आपत्तियों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि केरल के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड़ भाषी लोग ज्यादा है। राज्य में इसी तरह तमिल, तुलु, गुजराती और कोंकणीभाषी लोग भी हैं। उनकी अपनी भाषाओं में पढ़ाई वाले स्कूल भी हैं। हालांकि मलयालम भाषा कानून का विरोध तमिल मूल के लोगों ने तो नहीं किया है, लेकिन कर्नाटक के तर्कों में उनकी भी बातें एक तरह शामिल हैं।

कर्नाटक सरकार का तर्क है कि यह कानून केरल में रहने वाले कन्नड़ भाषी अल्पसंख्यकों की भाषाई अस्मिता के लिए खतरा है। यह कानून, कर्नाटक भाषियों के अधिकारों का उल्लंघन है। कर्नाटक सीमा क्षेत्र विकास प्राधिकरण का तर्क है कि कासरगोड और केरल के दूसरे कन्नड़ भाषी क्षेत्रों में भाषाई अल्पसंख्यक छात्र अभी स्कूलों में कन्नड़ को पहली भाषा के तौर पर पढ़ते हैं। केरल में स्कूलों में हिंदी भी पढ़ाई जाती रही है। इसलिए माना जाता है कि केरल में हिंदीविरोधी

माहौल नहीं है। लेकिन दिलचस्प यह है कि केरल के विद्वान भी इस कानून के पक्ष में तर्क देते वक्त केंद्र सरकार पर केरल में हिंदी थोपने का आरोप लगाने से नहीं हिचक रहे। दिलचस्प यह है कि ऐसा ही आरोप कर्नाटक की ओर से लगाया जा रहा है, बस वहां हिंदी की जगह मलयालम को थोपे जाने की बात हो रही है।

केरल सरकार ने हालांकि सफाई दी है कि जिनकी मातृभाषा तमिल, कन्नड़, तुलु या कोंकणी है, उनके लिए भी कानून में प्रावधान है। इस कानून में इस बात की चर्चा है कि राज्य के भाषायी अल्पसंख्यक अपनी भाषा में राज्य सचिवालय, विभागों और स्थानीय सरकारी कार्यालयों से पत्राचार कर सकेंगे। इसके साथ ही, मलयालम के अलावा दूसरी मातृभाषा वाले छात्रों को नेशनल एजुकेशन प्रोग्राम में शामिल भाषाओं में पढ़ाई कर सकेंगे। इसी तरह दूसरे राज्यों या विदेश से आने वाले छात्रों को नौवीं, दसवीं और हायर सेकेंडरी स्तर पर मलयालम की परीक्षा देने से छूट मिलेगी।

मलयालम को आधिकारिक भाषा बनाने का स्थानीय नागरिक स्वागत तो कर रहे हैं, लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि इस कानून के नाम से ही अलगाववादी और वर्चस्ववादी झलक मिलती है। केरल के बौद्धिकों के एक वर्ग का कहना है कि बेहतर होता है कि इस कानून का नाम 'मलयालम भाषा

एक्ट 2025' की जगह 'केरल स्टेट लैंग्वेज एक्ट 2025' होता। इससे समावेशी संदेश जाता। यहां के बौद्धिकों का तर्क है कि इस विधेयक में मलयालम की जगह बेहतर होता कि राज्य में प्रयोग में लाई जाने वाली तमिल, कन्नड़, कोंकणी, तुलु और गुजराती का भी जिक्र होता। केरल में जंगलों और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों की अपनी भाषाएं भी हैं। वे मलयालम का इस्तेमाल कम करते हैं। इसलिए एक वर्ग का मानना है कि उनकी भाषाओं की अस्मिता की रक्षा का बोध भी इस कानून में होना चाहिए था।

बेशक केरल के विधानसभा चुनाव में मलयालम को आधिकारिक दर्जा मिलना बड़ा मुद्दा होगा। राज्य की राजनीति में प्रभावी दखल देने की ताकत में बैठी भाजपा, कांग्रेस और वाममोर्चा, सभी इसका श्रेय लेने की कोशिश करेंगे। लेकिन यहां के बौद्धिक समाज की चिंता है कि इस विधेयक से राज्य में एक भाषा के वर्चस्व का भाव पैदा हो सकता है। ऐसा लगता है कि जिन लोगों की भाषा मलयालम नहीं है, उनकी प्रशासनिक और शासन से जुड़ी चिंताओं को अंग्रेजी के जरिए हल किया जा सकता है। लेकिन केरल के बौद्धिक मानते हैं कि राज्य के बहुसंख्यक समुदाय की भाषा से इतर वाले लोगों की समस्याओं का समाधान अंग्रेजी के जरिए नहीं हो सकते। इसलिए भाषा विकास विभाग और निदेशालय की सिर्फ मलयालम भाषा तक सीमित नहीं रहना होगा, बल्कि केरल की सभी भाषाओं के लिए होना होगा। केरल में मांग उठ रही है कि वहां के सिविल सर्विस सुधार विभाग को मलयालम भाषा विकास विभाग के रूप में बदल दिया जाना चाहिए। कानून में इस विभाग के पुनर्गठन और मलयालम भाषा व कास निदेशालय बनाने का प्रावधान है। यहां के भाषाशास्त्री इसे स्वागत योग्य कदम बता रहे हैं। लेकिन, इसमें मलयालम के साथ दूसरी भाषा समूहों का भी प्रतिनिधित्व देने का सुझाव दे रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि भाषा का काम जोड़ना है, तोड़ना नहीं। शायद यही वजह है कि मलयालम भाषा कानून के स्वागत के साथ ही दूसरी भाषाओं को तबज्जो देने की मांग हो रही है।

मातृभाषा से इतर समूहों से आने वाले लोग किसी भी भाषा को अवसरों और जरूरत के लिहाज से सीखते हैं। सीखने की इस प्रक्रिया में मजबूरी की बजाय उत्साह जुड़ जाता है तो भाषाएं समृद्ध होती हैं और वे सौहार्द का प्रतीक बनती हैं। आधिकारिक भाषा बनने के बाद मलयालम भी उसी तरह उम्मीद की भाषा बने, शायद यही केरल के बौद्धिक चाहते हैं। मलयालमभाषियों की इस सोच से हिंदीभाषी विद्वानों, राजनेताओं और प्रशासनिक तंत्र को प्रेरित होना चाहिए।

संपादकीय

सीमा-कर पर टकराव

सही मायनों में पंजाब तथा हिमाचल प्रदेश में सीमा प्रवेश शुल्क को लेकर जारी विवाद ने देश के संघीय ढांचे में व्याप्त एक गहरी खामी को ही उजागर किया है। जो बताता है कि देश के राज्यों की राजस्व जरूरतों तथा अंतर्राज्यीय आवागमन के सिद्धांतों के बीच टकराव के कारण मौजूद है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि हिमाचल प्रदेश फिलहाल वित्तीय संकट की चुनौती से रूबरू है। उसने अपने वित्तीय संसाधन बढ़ाने के लिये दूसरे राज्यों से आने वाले वाहनों पर राज्य में प्रवेश करने का शुल्क लगभग दोगुना करने का निर्णय लिया है। हालांकि, हिमाचल प्रदेश ने यह फैसला अपने आय के स्रोतों को बढ़ाने के लिए लिया था। लेकिन यह वित्तीय फैसला बाद में हिमाचल प्रदेश व पंजाब में राजनीतिक व आर्थिक विवाद का रूप ले चुका है। यही वजह है इस फैसले से ज्यादा प्रभावित राज्य पंजाब ने भी हिमाचल प्रदेश के वाहनों पर ऐसे ही कर बढ़ाने की धमकी दे दी है। वास्तव में हिमाचल सरकार का यह फैसला दूरगामी दृष्टिकोण को नहीं दर्शाता है। यह सर्वविदित है कि हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था बहुत अधिक हद तक पर्यटन उद्योग पर ही निर्भर है। ऐसे में इस कदम का राज्य के पर्यटन उद्योग पर नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। खासकर पड़ोसी राज्य पंजाब से आने वाले कम बजट के साथ यात्रा पर निकले पर्यटकों के लिये, जो कि सप्ताहांत में आने वाले पर्यटकों का एक बड़ा हिस्सा है। निस्संदेह, इस फैसले से ऐसे पर्यटक हतोत्साहित हो सकते हैं। इस समस्या का एक पहलू यह भी है कि मौजूदा प्रतिस्पर्धी पर्यटन के परिदृश्य में टैक्स बढ़ाए जाने पर पर्यटक वैकल्पिक पहाड़ी पर्यटक स्थलों की ओर रुख कर सकते हैं। राज्य द्वारा बाद में इस कर-वृद्धि के फैसले को समीक्षा करने का निर्णय लेना, निश्चित रूप से इस मुद्दे को आर्थिक संवेदनशीलता को ही दर्शाता है। यह भी एक हकीकत है कि दो राज्यों के बीच लिए गए कर बढ़ाने के ऐसे फैसलों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत होनी चाहिए। यह जानते हुए कि हिमाचल प्रदेश गंभीर आर्थिक चुनौती का सामना कर रहा है, पंजाब की प्रतिक्रिया संवेदनशील ढंग से सामने आनी चाहिए थी। ऐसे में पंजाब की हिमाचल की तर्ज पर कर बढ़ाने की चेतावनी प्रतिशोधात्मक नीति पर चलने के अप्रिय फैसले को ही उजागर करती है। इस तरह की बदले में कर लगाने की नीति राजनीतिक दृष्टि से भले ही सुविधाजनक लगती हो, लेकिन आम लोगों को इसका खमियाजा भुगतान करना है। ऐसे निर्णय से दैनिक यात्रियों, परिवहन उद्योग से जुड़े लोगों और छोटे व्यवसायियों की आवाजाही बाधित हो सकती है। इनकी यात्रा की सुगमता सीमा पार सुचारु आवागमन पर निर्भर करती है।

चिंतन-मनन

हनुमान से सीखें संस्कार

दूसरे का मान रखते हुए हम सम्मान अर्जित कर लें, इसमें गहरी समझ की जरूरत है। होता यह है कि जब हम अपनी सफलता, सम्मान या प्रतिष्ठा की यात्रा पर होते हैं, उस समय हम इसके बीच में आने वाले हर व्यक्ति को अपना शत्रु ही मानते हैं। महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए मनुष्य सारे संबंध दांव पर लगा देता है। आज के युग में महत्वाकांक्षी व्यक्ति का न कोई मित्र होता है, न कोई शत्रु। उसे तो सिर्फ अपनी महत्वाकांक्षा की पूर्ति करनी होती है। हर संबंध उसके लिए शत्रु की तरह है। लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो दूसरे की भावनाओं, रिश्ते की गरिमा और सबके मान-सम्मान को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा पर चलते हैं। हनुमानजी उनमें से एक हैं। सुंदरकांड में एक प्रसंग है। हनुमानजी और मेघनाद का युद्ध हो रहा था। मेघनाद बार-बार हनुमानजी पर प्रहार कर रहा था, लेकिन उसका नियंत्रण बन नहीं रहा था। तब उसने हनुमानजी पर ब्रह्मास्त्र का प्रहार किया। हनुमानजी को भी वरदान था कि वह किसी अस्त्र-शस्त्र से पराजित नहीं होंगे। उनका नाम बजरंगी इसलिए है कि वे बजरंग हैं। जिसे कह सकते हैं स्टील बांडी। जैसे ही शस्त्र चला, हनुमानजी ने विचार किया और तुलसीदासजी ने लिखा- ब्रह्मास्त्र तैह सांधा कपि मन कोन्ह विचार। जौ न ब्रह्मास्त्र मानउ महिमा मिटइ अपार। अंत में उसने ब्रह्मास्त्र का प्रयोग किया, तब हनुमानजी ने मन में विचार किया कि यदि ब्रह्मास्त्र को नहीं मानता हूँ तो उसकी अपार महिमा मिट जाएगी। यहां हनुमानजी ने अपने पराक्रम का ध्यान न रखते हुए, ब्रह्मजी के मान को टिकाया। दूसरों का सम्मान बचाते हुए अपना कार्य करना कोई हनुमानजी से सीखें।



मनोज कुमार अग्रवाल

यह कैसी बिडम्बना है कि इक्कीसवीं सदी में पहुंच कर भी भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी टोना टोटका डायन भूत प्रेत और बाबाओं के चमत्कार पर भरोसा रखता है इतना ही नहीं ये संत के चोले में छिपे शैतान न सिर्फ अरबों करोड़ों की संपत्ति इकट्ठा कर रहे हैं वरन हर तरह की पोपलाली भी टकर रहे हैं धर्म की आड़ में आर्थिक दैहिक शोषण बलात्कार, हत्या, ब्लैकमेलिंग करने जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम देने वाले ढोंगी बाबाओं की सूची में अब एक नया नाम नासिक के अशोक खरात का जुड़ गया है। अशोक खरात की कहानी भी राम रहीम और आसाराम जैसे लोगों से अलग नहीं है। धर्म के नाम पर अपनी निजी जीवन की परेशानियों के निराकरण के लिए बाबा पर भरोसा कर आए लोगों को पकड़कर मारने फाँसने, उनसे धन छेड़ना और महिलाओं का यौन शोषण करना घंघा बन गया है। अब सामने आया है कि लम्बे समय से ये अपराध होते रहे और ढोंगी व्यक्ति कुछ को भगवान बताकर चमत्कार दिखाते रहे तो यह न स्वस्थ समाज की पहचान है, न स्वस्थ राजनीति और प्रशासन की। क्योंकि ताकतवर लोगों के प्रोत्साहन के बिना ठगी और अपराध की ऐसी दुकानें



ललित गर्ग

आज मानव सभ्यता जिस सबसे बड़े संकट के सामने खड़ी है, वह युद्ध, महामारी या आर्थिक मंदी नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन है। दुनिया आज जलवायु संकट के घंटे मीड़ पर खड़ी है, जहां हर नया अंकड़ खतरों की घंटी बजकर सामने आ रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ताजा रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि 2015-2025 का दशक अब तक का सबसे गर्म दौर रहा है। यह केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि पृथ्वी के बदलते स्वभाव का गंभीर संकेत है। रिपोर्ट बताती है कि ग्रीनहाउस गैसों का स्तर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच चुका है और पृथ्वी का पर्नाजी इम्बैल्स लगातार बढ़ रहा है। महासागर, जो जलवायु संतुलन के सबसे बड़े नियंत्रक माने जाते हैं, अब 90 प्रतिशत से अधिक अतिरिक्त गर्मी सोख रहे हैं। इसका सीधा अर्थ है कि पृथ्वी का तापमान केवल हवा में ही नहीं, जल और भूमि के भीतर भी बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन अब धीरे-धीरे आने वाली समस्या नहीं रही, बल्कि यह वर्तमान का संकट बन चुका है। दुनिया के अनेक हिस्सों में असामान्य गर्मी, बाढ़, सूखा, चक्रवात और जंगल की आग जैसी घटनाएँ तेजी से बढ़ रही हैं। प्रति का संतुलन बिगड़ रहा है और मौसम का मिजाज अनिश्चित होता जा रहा है। कहीं अत्यधिक वर्षा से बाढ़ आ रही है तो कहीं महीनों तक बारिश नहीं हो रही। यह

समाज के लिए खतरा है धर्म के चोले में पनपते कालनेमी

चल ही नहीं सकती। हो सकता है कि अभी पुलिस हिरासत में आए इस अपराधी को कुछ वक्त तक सलाखों के पीछे ही रहना पड़े, लेकिन इस समय ज्यादा चिंता की बात यह है कि समाज जिस तरह चमत्कारों, अंधविश्वासों और अताकिंक प्रथाओं की सलाखों में कैद है, उससे वह कब आजाद हो पाएगा। कितनी बड़ी विडम्बना है कि जिस महाशूद्र में संत तुकाराम संत नामदेव महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, जैत महापुरुषों की कतार दी, यहां अशोक खरात लोगों को अंधविश्वास की आग फैलाने का मौका मिला। नरेन्द्र दामोदरकर जैसे लोग अंधश्रद्धा के खिलाफ आवाज उठाएँ तो उनकी हत्या कर दी जाए और अशोक खरात जैसे लोग अंधश्रद्धा के बूते खुद को गॉटमैन कहलवाएँ। यह बेहद हैरत की बात है क्योंकि सरकारी भी ऐसी बातों पर तभी एक्शन लेती है जब बात बहुत आगे बढ़ जाती है। यूं तो देश का राजनीतिक दल इस किस्म के बाबाओं से खुद को दूर रखा है, हर दल में ऐसे नेता मिल जाएंगे, जो ढोंगी चोंगों को बढ़ावा देने रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में समस्या कुछ ज्यादा बढ़ चुकी है, यह मानने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए। आज जब राष्ट्रपति के गरिमायुक्त पर आसानी माननीय किसी संत के स्थान पर आकर कथित एकांतिक वातावरण के लिए समय दे रही हैं ऐसे समय में समाज संत और कालनेमी संत की पहचान कैसे करे? विचारणीय बात यह है कि भगवदर्थिक में लगे लोगों को भौतिक चकाचौंध की दरकार क्यों होनी चाहिए। लेकिन इस सवाल की परतें खोलें तो समझ आता है कि ऐसे लोगों को न भगवदर्थिक से मतलब है, न धर्म की रक्षा से, उन्हें तो अपने उन राजनैतिक और व्यापारी अंकाओं की सेवा करनी है, जिनके काले धन को धर्म के धंधे से वे सफेद करते हैं। अशोक खरात का मामला भी कुछ

जलवायु परिवर्तन: भविष्य नहीं, वर्तमान का महाविनाशकारी संकट

असंतुलन सीधे-सीधे मानव जीवन, कृषि, जल संसाधनों और अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। इस बदलते मौसम ने सबसे ज्यादा मनुष्य के स्वास्थ्य पर हमला किया है। भारत के संदर्भ में यह संकट और भी गंभीर रूप लेता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत के अनेक शहरों में तापमान 48 से 50 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि पहले 45 डिग्री को ही अत्यधिक गर्मी माना जाता था। अब असामान्य गर्मी ने फरवरी और मार्च जैसे महीनों की भी झुलसाना शुरू कर दिया है। हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता दोनों बढ़ रही हैं। इसका असर केवल स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी में केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि वन्यजीव, पेड़-पौधे और सम्पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को भी संकट में डाल दिया है। जलवायु परिवर्तन के पीछे सबसे बड़ा कारण मानव का विकास मॉडल है। कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई, अनियोजित शहरीकरण, औद्योगिकरण और संसाधनों का अंधाधुंध दोहन पृथ्वी को लगातार गर्म कर रहा है। आज वैश्विक तापमान लगभग एक लाख 25 हजार वर्षों के उच्चतम स्तर के आसपास पहुंच चुका है। यह स्थिति बताती है कि समस्या प्रकृति में नहीं, बल्कि मानव की जीवनशैली और विकास की दिशा में है।

वर्तमान वैश्विक परिस्थितियाँ इस संकट को और अधिक खतरनाक बना रही हैं। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध की स्थितियाँ बनी हुई हैं। युद्ध केवल मानव जीवन और अर्थव्यवस्था को ही नष्ट नहीं करते, बल्कि पर्यावरण को भी गहरा नुकसान पहुंचाते हैं। युद्ध में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटक, रसायन, धतूरे, ईंधन और आग से वातावरण में भारी मात्रा में अत्यधिक गैस फैलती है। तेल भंडारों में आग, रासायनिक संयंत्रों का

ऐसा ही लगता है। ताजा जानकारी के अनुसार नासिक में कथित हज़फजी बाबाह अशोक खरात के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नरखोल और अंधश्रद्धा से जुड़े गंभीर आरोपों में मामला दर्ज किया है। नासिक पुलिस ने खरात के खिलाफ अब तक कुल 8 एफआईआर दर्ज की हैं, जिससे इस मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। पुलिस ने आरोपी की लाइसेंस रिवॉल्वर भी जब्त कर ली है और उसका लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक, ताजा एफआईआर उस व्यक्ति की शिकायत पर दर्ज की गई है, जिसके खिलाफ पहले अशोक खरात ने खुद मामला दर्ज कराया था। अब उसी व्यक्ति ने खरात पर संगीन आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में दावा किया गया है कि 2018 से 2025 के बीच आरोपी ने जान से मारने की धमकी देकर शिकायतकर्ता से भारी आर्थिक ठगी की आरोप है कि फरवरी 2020 से मार्च 2026 के बीच आरोपी ने एक महिला को अपने ऑफिस बुलाया। तब की बोटल में 'मंत्रित पानी' पिलाया गया। इसके बाद धार्मिक अनुष्ठान के नाम पर बार-बार शारीरिक संबंध बनाए, जब पीछा गर्भवती हुई तो बाद में गर्भपात के लिए दबाव डाला गया। पना करने पर जान और बच्चे को खतरे की धमकी दी गई, इस प्रार्थना रिपोर्ट में आरोप है कि 'दिव्य औषधि' के नाम पर महिला का मानसिक और शारीरिक शोषण किया गया। स्वयंभू चमत्कारी बाबा यह शस्त्र अब महिलाओं के साथ शारीरिक शोषण, ब्लैकमेलिंग और करोड़ों की बेनामी संपत्ति बनाने के आरोपों में घिरा हुआ है। दरअसल 29 दिसंबर 2025 को अशोक खरात खुद वावी पुलिस स्टेशन पहुंचा और उसने शिकायत दर्ज कराई कि कुछ लोग उसके आपत्तिजनक फोटो और

वीडियो के जरिए उसे ब्लैकमेल कर रहे हैं। शुरूआत में मामला ब्लैकमेलिंग का लग, लेकिन जब पुलिस ने जांच शुरू की तो मोबाइल डेटा और साइबर जांच में कोई ठोस सबूत नहीं मिला। जिन लोगों पर आरोप लगाए गए थे, उन्हें भी अदालत से राहत मिल गई। यहीं से पुलिस को शक हुआ कि मामला कुछ और ही है। करीब डेढ़ महीने बाद 18 फरवरी 2026 को पुलिस ने एक और शिकायत सामने आई। एक महिला ने आरोप लगाया कि उसे एआई से तैयार अश्लील फोटो भेजकर धमकाया गया। इसी दौरान एक अहम गवाह सामने आया, जिसने पुलिस को कुछ ऐसे वीडियो दिखाए जिनमें कई महिलाओं के साथ अशोक खरात की आपत्तिजनक हरकतें नजर आईं। आरोप है कि वह महिलाओं को धार्मिक झंझा देकर अपने जाल में फंसाया था और फिर उनका शोषण करता था। गवाह पहले डरा हुआ था, लेकिन पुलिस की सुरक्षा मिलने के बाद उसने ये सबूत सौंप दिए। मामला आगे बढ़ा तो 10 मार्च 2026 को अशोक खरात के खिलाफ लुकआउट संकुलन जारी किया गया और एयरपोर्ट पर उसे रोक दिया गया। फिर फंडेनवीस सरकार ने 13 मार्च को एफआईआर गठित की और लगातार नए खुलासे सामने आने लगे। 17 मार्च को सरकारवाड़ा पुलिस स्टेशन में एक महिला ने बताया कि अशोक खरात ने खुद को दैवी शक्तियाँ वाला बताकर उसे अनुष्ठान के नाम पर अपने ऑफिस बुलाया। वहां उसे शौला पदार्थ बहोश किया गया और उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया गया। इस शिकायत के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसके डिक्वांटो पर छापेमारी की गई, जहां से कई अहम सबूत मिले। आरोपी के पास से लाखों रुपये नकद, लैपटॉप, डिजिटल रिकॉर्डिंग डिवाइस और हथियार तक बरामद किए गए हैं।

स्तर पर हीट एक्शन प्लान, जल संरक्षण योजना, वृक्षारोपण अभियान और स्थानीय पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम लागू करने होंगे। जलवायु परिवर्तन से लड़ाई केवल सरकार नहीं जीत सकती, इसके लिए समाज, उद्योग, वैज्ञानिक और आम नागरिक सभी को मिलकर काम करना होगा। दुनिया की महाशक्तियों के लिए यह समय सबसे बड़ी परीक्षा का समय है। यदि वे केवल आर्थिक विकास और सैन्य शक्ति की दौड़ में ही उलझी रहें और पृथ्वी के भविष्य की चिंता नहीं कीं, तो आने वाली पीढ़ियाँ उन्हें कभी माफ नहीं करेंगी। उन्हें यह समझना होगा कि पृथ्वी बचेगी तो अर्थव्यवस्था भी बचेगी, मानव सभ्यता भी बचेगी और विकास भी बचेगा। यदि पृथ्वी ही तपती और असंतुलित हो गई, तो सारी प्रगति बेकार हो जाएगी। आज आवश्यकता है कि दुनिया की महाशक्तियाँ कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए कठोर और बाध्यकारी नीतियाँ बनाएँ, जीवाश्म ईंधनों पर निषेधात्मक कर्ष करें, वनों की कटाई रोकें और हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दें। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी का तापमान इतना बढ़ जाएगा कि अनेक क्षेत्र रहने योग्य नहीं रहेंगे। निश्चित तौर पर जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की चुनौती नहीं, वर्तमान का संकट है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को एक असंतुलित और तपती हुई पृथ्वी विरासत में मिलेगी। यह तपती हुई पृथ्वी मानव जीवन के लिए विनाश का कारण भी बन सकती है। लेकिन यदि दुनिया समय रहते चेत गई, तो यही संकट एक नए, संतुलित और टिकाऊ विकास मॉडल की शुरूआत भी बन सकता है। पृथ्वी को बचाना अब विकल्प नहीं, मानव अस्तित्व की अनिवार्यता बन चुका है। (खक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आईपीएल 2026 का आगाज आज से, ओपनिंग सेरेमनी नहीं होगी

पहले मैच में आरसीबी और एसआरएच होंगे आमने-सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का बहुप्रतीक्षित आगाज शनिवार, 28 मार्च से होने जा रहा है। इस सीजन का पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु और स्नराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला बंगलुरु के प्रतिष्ठित चिन्नामामी स्टेडियम में आयोजित होगा, जहां फैंस को एक रोमांचक शुरुआत की उम्मीद है।

हालांकि इस बार आईपीएल के उद्घाटन समारोह में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। आमतौर पर टूर्नामेंट की शुरुआत भव्य ओपनिंग सेरेमनी के साथ होती है, जिसमें कई बड़े सितारे शामिल होते हैं, लेकिन इस बार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ओपनिंग सेरेमनी आयोजित नहीं करने का फैसला किया है। इसके पीछे एक सेवेदनशील कारण बताया जा रहा है। पिछले सीजन में

आरसीबी की जीत के बाद आयोजित विक्ट्री पेरड के दौरान भगदड़ मच गई थी, जिसमें कई फैंस की जान चली गई थी। इसी दुखद घटना को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई ने इस बार सादगी के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत करने का निर्णय लिया है, ताकि दिवंगत प्रशंसकों को श्रद्धांजलि दी जा सके।

मैच के समय की बात करें तो आरसीबी और एसआरएच के बीच यह मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7-30 बजे से शुरू होगा। वहीं, टॉस के लिए दोनों टीमों के कप्तान शाम 7 बजे मैदान पर उतरेंगे। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि यह सीजन की शुरुआत का मैच है।

प्रसारण की बात करें तो इस मुकाबले का सीधा प्रसारण स्टार स्पোর্ट्स नेटवर्क पर विभिन्न भाषाओं में किया जाएगा, जिससे फैंसला किया है। इसके पीछे एक सेवेदनशील कारण बताया जा रहा है। पिछले सीजन में

प्लेटफॉर्म पर इस मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार ऐप और वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा, दर्शक लाइव स्कोर और अपडेट्स के लिए विभिन्न क्रिकेट वेबसाइट्स और ऐप्स का भी उपयोग कर सकते हैं।

आईपीएल 2026 का यह पहला मुकाबला न सिर्फ टूर्नामेंट की दिशा तय करेगा, बल्कि दोनों टीमों के शायदों का भी संकेत देगा। जहां आरसीबी अपनी खिलाड़ी लय को बरकरार रखना चाहेंगी, वहीं स्नराइजर्स हैदराबाद जीत के साथ नई शुरुआत करने के इरादे से मैदान में उतरेंगे। ऐसे में यह मुकाबला फैंस के लिए रोमांच से भरपूर होने की पूरी उम्मीद है।

रॉड्स

रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु: राजत पाटीदार (कप्तान), टिम डेविड, विराट कोहली, देवदत्त पडिकर, फिलिप साल्ट, जितेश शर्मा, जैकब बेथेल, ऋणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेजवुड, रसिख सलाम डार,



धुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, यश दयाल, नुवान तुथारा, वेंकटेश अय्यर, जैकब डफ्री, गंगेश यादव, जॉन कोक्स, विहान मल्होत्रा, कनिष्क चौहान, अभिनंदन सिंह, विवी अरोस्टवाल, सल्विक देसवाल।
स्नराइजर्स हैदराबाद: ट्रैविस हेड, ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन, स्मरण रविचंद्रन, अभिषेक शर्मा, हर्ष दुबे, कामिंडु

मेंडिस, नितेश कुमार रेड्डी, पैट कर्मिस (कप्तान), ईशान मलिंगा, जयदेव उनादकट, हयल पटेल, मंगेश अरोड़ा, प्रफुल्ल हिनि, लियाम लिविंगस्टोन, शिवम मावी, जैक एडवर्ड्स, ब्रायडन कार्स, साकिब हुसैन, जीशान अंसारी, अनिकेत वर्मा, अमित कुमार, क्रैन्स फुलेट्टा।

राजस्थान रॉयल्स को सस्ते में मिल गए वैभव सूर्यवंशी!, रखा था इतने करोड़ का बजट

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के साथ IPL में शुरुआत और भारतीय युवा टीम में पिछले एक साल से सूर्यवंशी में रहे 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर IPL फ्रैंचाइजी ने खुलासा किया कि उनके लिए 10 करोड़ डॉलर का बजट अलग रखने की योजना बनाई थी।

हालांकि राजस्थान को सूर्यवंशी बेहद सस्ते में मिल गए और उन्होंने इसके लिए 1.1 करोड़ ही चुकाने पड़े। वैभव ने महज 12 साल की उम्र में विहार के लिए फर्स्ट क्लास डेब्यू किया। इसके बाद 13 साल की उम्र में IPL ऑक्शन में बिके और 14 साल की उम्र में अपने पहले ही सीजन में 35 गेंदों में शतक लगाकर सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बन गए। हाल ही में उन्होंने अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल में 80 गेंदों पर 175 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब भी जीता।

राजस्थान रॉयल्स के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट जुबिन भरुचा ने ट्रायल को याद करते हुए कहा कि अक्टूबर 2024 में ट्रायल के दौरान ही वैभव ने सबका ध्यान खींच लिया था। वैभव ने पहली गेंद



को जिस तरह से खेला उससे उन्हें यशस्वी जायसवाल और संजू सैमसन की याद दिला दी। वैभव ने ट्रायल के दौरान 6 फीट लंबे तेज गेंदबाजों का सामना किया। एक गेंदबाज ने 157 KPH की रफ्तार से गेंद डाली जिसे वैभव ने सीधे साइटस्कीन के ऊपर छक्का जड़ दिया। इतनी तेज गेंद पर इतनी आसानी से छक्का मारना सामान्य नहीं है, वो भी इतनी कम उम्र में।

IPL 2026 में अब सूर्यवंशी के सामने बड़ी चुनौती खुद को लगातार बेहतर बनाने हुए हर परिस्थिति में रन बनाने की होगी। आईपीएल का आगाज शनिवार 28 मार्च से हो रहा है जबकि राजस्थान रॉयल्स की टीम 30 मार्च को अपने अभियान की शुरुआत करेगी जहां उसका सामने चेन्नई सुपर किंग्स से होगा।

पीएसएल 2026 में नया नियम लागू, अब टॉस के बाद चुनी जाएगी अंतिम प्लेइंग इलेवन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान सुपर लीग 2026 का आगाज एक नए और दिलचस्प नियम के साथ हुआ है, जिसने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में लाहौर कलंदर्स और हैदराबाद किंग्समैन आमने-सामने आए, लेकिन मैच से पहले लागू किए गए इस नियम ने सबसे ज्यादा चर्चा बटोरी।

दरअसल, अब पीएसएल में कप्तानों को टॉस के समय दो अलग-अलग टीम शीट ले जाने की अनुमति दी गई है। टॉस के बाद कप्तान इन दोनों में से किसी एक शीट पर चले जा सकते हैं। इस नियम का मुख्य उद्देश्य ओएस (ड्यू) के प्रभाव को संतुलित करना है, जो आमतौर पर दूसरी पारी में मैच की दिशा बदल देती है। क्रिकेट की अन्य टी20 लीगों में टॉस से पहले

ही दोनों टीमों अपनी प्लेइंग इलेवन तय कर लेती हैं और एक-दूसरे के साथ साझा करती हैं। हालांकि, पीएसएल के इस नए नियम के तहत टीमों को अधिक रणनीतिक लचीलापन मिलेगा। यह नियम 'नामिनेशन एंड रिप्लेसमेंट ऑफ प्लेयर' के अंतर्गत शामिल किया गया है, जिससे टॉस मैच की परिस्थितियों के अनुसार बेहतर संयोजन चुन सकें।

नए प्रावधान के मुताबिक, टॉस से पहले हर कप्तान दो अलग-अलग संभावित टीम संयोजन लिखित रूप में मैच रेफरी को सौंप सकता है। प्रत्येक टीम शीट में 11 खिलाड़ी और अधिकतम चार सल्टीयूट फील्डर शामिल हो सकते हैं। टॉस के बाद कप्तान अपनी पसंद की अंतिम टीम शीट पर हस्ताक्षर करेंगे। एक बार टीम तय हो जाने के बाद मैच शुरू होने से पहले उसमें

बदलाव करने के लिए विरोधी कप्तान की सहमति आवश्यक होगी। यह नियम उस समय लागू होते देखा गया जब लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी और हैदराबाद किंग्समैन के कप्तान मानस लाबुशेन टॉस के लिए दो-दो टीम शीट लेकर मैदान पर पहुंचे। उम्माहदीय में ओएस लंबे समय से कप्तानों के लिए बड़ी चुनौती रही है। नमी के कारण स्पिन गेंदबाजों के लिए गेंद को पकड़ना मुश्किल हो जाता है, जबकि तेज गेंदबाजों की स्लो गेंदें भी कम प्रभावी हो जाती हैं। साथ ही आउटफील्ड तेज हो जाती है, जिससे बल्लेबाजों को रन बनाने में आसानी होती है। ऐसे में पीएसएल का यह नया नियम मैच को और अधिक संतुलित और रोमांचक बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

बेन डकेट ने नाम लिया वापस, दो साल के बैन की संभावना

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत से ठीक पहले दिल्ली कैपिटल्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के लिए ओपनिंग करने वाले इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट ने टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। ऐसे समय पर लिया गया यह फैसला दिल्ली की विचारियों पर सीधा असर डाल सकता है, जब सभी टीमों अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप दे रही हैं। डकेट के इस कदम के बाद बीसीसीआई उनके खिलाफ सख्त रुख अपना सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टूर्नामेंट से अलग-अलग हटने के कारण उन पर दो साल का प्रतिबंध लगाया जा सकता है, जिससे वह आगामी दो सीजन में आईपीएल का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। इससे पहले ही डूब कर भी इसी तरह की कार्रवाई की जा चुकी है।

दिल्ली कैपिटल्स के एक सूत्र ने पुष्टि की है कि डकेट ने फ्रैंचाइजी को अपनी अनुपलब्धता के बारे में सूचित कर दिया है। टीम प्रबंधन अब उनके विकल्प की तलाश में जुट गया है और जल्द ही नए खिलाड़ी के नाम की घोषणा की जा सकती है। नीलाामी में डकेट को 2 करोड़ रुपये में खरीदा गया था और उनसे उम्मीद थी कि वह केएल राहुल के साथ टीम को मजबूत शुरुआत देंगे। डकेट ने अपने फैसले के पीछे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को प्राथमिकता देने की वजह बताई है। उन्होंने हालिया प्रदर्शन को निराशाजनक बताते हुए कहा कि वह अपने करियर पर दोबारा ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। एशेज सीरीज में उनका प्रदर्शन औसत रहा था, वहीं टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला, जिसने उनके फैसले को और मजबूती दी।

आईपीएल के पहले ही मैच में रिकार्ड बना सकते हैं धुवनेश्वर



मुंबई। आईपीएल के 19 सत्र के पहले ही मैच में रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज धुवनेश्वर कुमार एक नया रिकार्ड बना सकते हैं। धुवनेश्वर स्नराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले पहले मैच में दो विकेट लेने के साथ ही इस लीग में 200 विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज बन जाएंगे। अभी तक इस लीग में रिपार यजुवेंद्र चहल के नाम ही 200 विकेट है पर कोई भी तेज गेंदबाज यहां तक नहीं पहुंचा है। धुवनेश्वर ने अब तक 190 आईपीएल मैचों में 198 विकेट लिए हैं, उनका औसत 27.33 रहा है। इस दौरान उन्होंने 2 बार 5 विकेट और 2 बार 4 विकेट भी लिए हैं। आईपीएल में वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में दूसरे नंबर पर हैं। वहीं तेज गेंदबाजों की बात करें तो जसप्रीत बुमराह सुधी में दूसरे नंबर पर हैं, उनके नाम 183 विकेट हैं। वहीं वेस्टइंडीज के डेवने ब्रावो के नाम भी इतने ही विकेट हैं। आरसीबी ने इस सत्र में धुवनेश्वर को 10.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। पिछले सत्र में उन्होंने 14 पारियों में 17 विकेट लिए थे। धुवनेश्वर कुमार का पावरप्ले में रिकार्ड शानदार रहा है। उन्होंने आईपीएल में अपने 79 विकेट पावरप्ले में लिए हैं, जो किसी भी गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा है। इस दौरान उनकी इकॉनमी 6.46 रही है।

आईपीएल 2026: आकाश चोपड़ा की भविष्यवाणी, ऑरेंज कैप की रेस में जायसवाल-गिल आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 19वें सीजन के आगाज के साथ ही एक बार फिर बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। इस सीजन में जहां युवा खिलाड़ियों से बड़े प्रदर्शन की उम्मीद है, वहीं अनुभवी खिलाड़ियों पर भी अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने का दबाव रहेगा। टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने ऑरेंज कैप और पर्पल कैप के संभावित दावेदारों को लेकर अपनी भविष्यवाणी साझा की है। आकाश चोपड़ा ने अपने विश्लेषण में ऑरेंज कैप के लिए भारतीय बल्लेबाजों पर धरोसा जताया है। उन्होंने यशस्वी जायसवाल और शूभमन गिल को इस सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में सबसे आगे माना है।

दोनों बल्लेबाज पहले भी शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और ऑरेंज कैप जीतने का अनुभव रखते हैं। चोपड़ा का मानना है कि टी20 क्रिकेट में आमतौर पर सलामी बल्लेबाजों को ज्यादा मौके मिलते हैं, इसलिए इन दोनों खिलाड़ियों को दावेदारों मजबूत है। उन्होंने खास तौर पर यशस्वी जायसवाल को लेकर कहा कि यह उनके लिए 'ब्रेकआउट सीजन' साबित हो सकता है। पिछले कुछ समय में जायसवाल ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, वह उन्हें इस रेस में सबसे आगे खड़ा करता है। चोपड़ा ने यह भी कहा कि शूभमन गिल रन बनाने की भूख के साथ भारतीय बल्लेबाजों पर धरोसा जताया है। उन्होंने यशस्वी जायसवाल और शूभमन गिल को इस सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में सबसे आगे माना है।

में शामिल किया गया है। कोहली पहले ही दो बार यह खिताब जीत चुके हैं और उनका अनुभव उन्हें इस दौड़ में मजबूत बनाता है। वहीं चोपड़ा का मानना है कि अगर दिव्य कैपिटल्स अच्छे प्रदर्शन करती है, तो केएल राहुल भी इस रेस में आगे निकल सकते हैं। आकाश चोपड़ा के अनुसार, ऑरेंज कैप जीतने के लिए किसी बल्लेबाज को कम से कम 600 से 650 रन बनाने होंगे। उन्होंने जायसवाल के हालिया आंकड़ों का जिक्र करते हुए बताया कि वह लगातार रन बना रहे हैं और उनका स्ट्राइक रेट भी शानदार है। यही वजह है कि उनसे इस सीजन में बड़े प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। आईपीएल 2026 का पहला मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु और स्नराइजर्स हैदराबाद के बीच बंगलुरु में



खेला जाएगा। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या आकाश चोपड़ा की भविष्यवाणियों सही साबित होती हैं या कोई नया खिलाड़ी इस रेस में सबको चौंका देता है।

ओलंपिक में ट्रांसजेंडर महिलाओं की एंट्री पर रोक, आईओसी ने बदली नीति

नई दिल्ली। इंटरनेशनल ओलंपिक कमिटी (आईओसी) ने ट्रांसजेंडर एथलीटों को लेकर एक बड़ा और अहम फैसला किया है। नई नीति के तहत 2028 में होने वाले लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 और भीजिंग के सभी ओलंपिक खेलों में ट्रांसजेंडर महिला एथलीटों को एंट्री से रोक दिया जाएगा। इस निर्णय का उद्देश्य महिलाओं के खेलों में निष्पक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित करना बताया गया है। आईओसी की नई गाइडलाइन के अनुसार, अब केवल बायोलॉजिकल महिलाओं, यानी जन्म से महिला खिलाड़ियों को ही महिला वर्ग में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए खिलाड़ियों को जीन टेस्ट से गुजरना होगा, जिसमें थूक, ब्लड सैंपल या गाल के जिएर सैंपल लिया जा सकता है। हालांकि, जो एथलीट जन्म के समय महिला थे और बाद में खुद को ट्रांसजेंडर के रूप में पहचानते हैं, उन्हें महिला स्पर्धाओं में भाग लेने की छूट दी गई है। आईओसी की अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंटी ने इस फैसले को विज्ञान और चिकित्सा सलाह पर आधारित बताया है। उन्होंने कहा कि ओलंपिक जैसे उच्चस्तरीय प्रतियोगिताओं में जीत और हार के बीच बहुत कम अंतर होता है, ऐसे में प्रतिस्पर्धा का निष्पक्ष होना बेहद जरूरी है। उनके मुताबिक, बायोलॉजिकल पुरुषों का महिला वर्ग में मुक़ाबला करना न केवल अनुचित है, बल्कि कुछ खेलों में सुरक्षा के लिहाज से भी जोरिमान भरा हो सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एथलीट के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाएगा और इस प्रक्रिया के तहत खिलाड़ियों को अपने करियर में केवल एक बार स्क्रीनिंग करवानी होगी। आईओसी का यह कदम सभी खेलों के लिए एक समान नियम लागू करने की दिशा में उठाया गया है, ताकि अलग-अलग खेल खेलने वालों को समान अवसर मिले। हालांकि यह है कि इससे पहले आईओसी ट्रांसजेंडर महिलाओं को टेस्टिंग पर रोक के आधार पर प्रतिस्पर्धा में भाग लेने की अनुमति देता था या यह निर्णय संबंधित खेल संघों पर छोड़ दिया जाता था। हालांकि अब आईओसी एक समान और स्पष्ट नीति लागू करना चाहता है। इस बीच, कई अंतरराष्ट्रीय खेल संगठनों ने पहले ही ट्रांसजेंडर एथलीटों की भागीदारी पर प्रतिबंध लगा दिया है।

दोनों बल्लेबाज पहले भी शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और ऑरेंज कैप जीतने का अनुभव रखते हैं। चोपड़ा का मानना है कि टी20 क्रिकेट में आमतौर पर सलामी बल्लेबाजों को ज्यादा मौके मिलते हैं, इसलिए इन दोनों खिलाड़ियों को दावेदारों मजबूत है। उन्होंने खास तौर पर यशस्वी जायसवाल को लेकर कहा कि यह उनके लिए 'ब्रेकआउट सीजन' साबित हो सकता है। पिछले कुछ समय में जायसवाल ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, वह उन्हें इस रेस में सबसे आगे खड़ा करता है। चोपड़ा ने यह भी कहा कि शूभमन गिल रन बनाने की भूख के साथ भारतीय बल्लेबाजों पर धरोसा जताया है। उन्होंने यशस्वी जायसवाल और शूभमन गिल को इस सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में सबसे आगे माना है।

भारत के स्टार हॉकी खिलाड़ी गुरजंत सिंह ने लिया सन्यास, ओलंपिक्स में जीत चुके हैं पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक्स में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य गुरजंत सिंह ने शुक्रवार को हॉकी इंडिया अवाार्ड्स समारोह के दौरान अपने सन्यास की घोषणा की। 31 वर्षीय इस भारतीय हॉकी खिलाड़ी ने 2017 में अपने डेब्यू के बाद से 130 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा लिया और 33 गोल किए। 26 जनवरी 1995 को अमृतसर के खैलारा में जन्मे गुरजंत सिंह जूनियर हॉकी रैंक में तेजी से आगे बढ़े और अपनी गति तथा तेज सुझ-झूझ से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। उन्होंने भारतीय हॉकी के सबसे यादगार पलों में से एक में अहम भूमिका निभाई। 2016 में लखनऊ में जूनियर एफआईएफ विश्व कप की जीत। फाइनल में गोल करके भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में मदद करने के बाद उन्होंने 2017 में अपना सीनियर अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया और भारतीय आक्रमण पॉक के मुख्य खिलाड़ी बन गए। गुरजंत सिंह की सबसे बड़ी उपलब्धियां ओलंपिक्स में पदक और

जहां वे टोक्यो 2020 और पेरिस 2024, दोनों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीमों का एक अहम हिस्सा थे। गुरजंत ने भारत को एशियाई खेल 2023 और 2017 एशिया कप में स्वर्ण पदक दिलाने में भी मदद की, साथ ही कई एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खिताब भी जीते। 2021 में उन्हें देश के सर्वोच्च खेल सम्मानों में से एक अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आज वह अपने सन्यास की घोषणा करते हुए गुरजंत सिंह ने कहा, 'मैंने अपनी हॉकी यात्रा की शुरुआत इस कमरे में बैठे सीनियर खिलाड़ियों को अपना आदर्श मानकर की थी और उनके साथ भारत के लिए खेलने का अपना सपना पूरा करना मेरे लिए एक ऐसी बात है जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा।' उन्होंने आगे कहा, 'भारतीय हॉकी के ऐतिहासिक पुरुस्कार का हिस्सा बनकर और दो ओलंपिक्स पदक हासिल करके मुझे बेहद संतोष महसूस हो रहा है। मैं अंतरराष्ट्रीय मैच से एक बहुत ही खुश और गौरवान्वित व्यक्ति के रूप में विदा ले रहा हूँ।'



मुचोवा को हराकर गॉफ पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में, दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी होगा सामना



प्लोरिडा (एजेंसी)। दुनिया की नंबर 4 खिलाड़ी कोको गॉफ पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में पहुंच गई हैं। नंबर 13 सीड कैरोलिना मुचोवा को 6-1, 6-1 से हराकर मियामी की रहने वाली यह खिलाड़ी अपने छठे डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल में पहुंचने के बाद, अपने 12वें WTA खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। शुरुआत में एक ब्रेक मुक़ाबले के बाद, गॉफ ने आखिरी 13 में से 12 गेम जीतकर एक चट्टे 20 मिनट में जीत हासिल की; इस जीत की खास बात यह थी कि उन्होंने मुचोवा की सर्विस को छह बार ब्रेक किया।

अब वह चेक खिलाड़ी के खिलाफ छह मैचों में अजेय हैं और 2026 में दो बार उन्हें हरा चुकी हैं। गॉफ ने सीजन की अपनी शुरुआत के बारे में प्रेस से कहा, 'इस साल मेरे कुछ मैच काफी मुश्किल रहे, लेकिन यह पिछले साल से बेहतर है। मुझे लगता है कि यह

सब मेरे खेल को बेहतर बनाने और उसे और मजबूत करने की कोशिश का नतीजा है और मुझे लगता है कि सुधार हो रहे हैं खासकर मेरे फोरहैंड में, मैं इस बात से खुश थी कि पूरे टूर्नामेंट में मेरा खेल कैसा रहा।' शनिवार के फाइनल में गॉफ का अगला मुकाबला दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी आर्यना सबालेका से होगा जिन्होंने गुरुवार को दूसरे सेमीफाइनल में एलेना रायबाकिना को 6-4, 6-3 से हराया था। गॉफ का सबालेका से 12 बार मुकाबला हुआ है, हाल ही में 2025 में मैट्रिड फाइनल, रौलान गैरो फाइनल और WTA फाइनल रियाद ग्रुप स्टेज में; जिसमें फ्रांस में हुए मुकाबले में अमेरिकी खिलाड़ी गॉफ ने जीत हासिल की थी। सबालेका और गॉफ के बीच टूर-लेवल पर अब तक 12 मुकाबले हुए हैं, जिनमें दोनों ने 6-6 जीत हासिल की है।

विराट इस सत्र में ऑरेंज कैप हासिल करेंगे : जितेश

नई दिल्ली। युवा विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा के अनुसार रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली इस सत्र में सबसे अधिक रन बनाकर ऑरेंज कैप हासिल करेंगे। जितेश ने कहा, विराट इसके साथ ही आईपीएल में सबसे अधिक 973 रन का अपना ही पुराना रिकार्ड भी तोड़ सकते हैं। जिस प्रकार से उन्होंने पिछले कुछ समय में खेला है। उससे पता चलता है कि वह काफी अच्छे फार्म में हैं विराट के नाम एक सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकार्ड है। उन्होंने साल 2016 के शत्रक में 16 मैचों में 973 रन बनाए थे। उस सत्र में उन्होंने 4 शतक और 7 अर्धशतक लगाए थे और अपनी टीम को फाइनल तक पहुंचाया था हालांकि तब वह टीम को खिताब नहीं जिता पाये थे। ऑस्ट्रेलिया दौर पर शुरुआती दो मैचों में विकल रहने के बाद उन्होंने अच्छी वापसी करते हुए पिछले 9 मैचों में 4 शतक और 4 अर्धशतक लगाए थे। इससे साफ है कि वह लय में हैं। लीग के पिछले सत्र में भी विराट सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। तब उन्होंने 15 पारियों में 657 रन बनाए थे। इस दौरान उनका औसत 54.75 और स्ट्राइक रेट 144.71 रहा था। उन्होंने पूरे सत्र में 8 अर्धशतक लगाए थे। आरसीबी को लीग में पहला मैच स्नराइजर्स हैदराबाद से खेला है। इस टीम के खिलाफ उनका रिकार्ड काफी अच्छा रहा है। उन्होंने स्नराइजर्स के खिलाफ 24 पारियों में 1 शतक और 5 अर्धशतक के साथ ही 805 रन बनाए थे। विराट ने अब तक दो बार ऑरेंज कैप जीती थी।



सैफ अंडर-20 चैंपियनशिप : भारत ने पाकिस्तान को दी करारी हार, टूर्नामेंट से कर दिया बाहर



माले। ओमांग डोडूम के दो गोलों की बदौलत भारत ने यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 3-0 से करारी हार दी और सैफ (दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ) अंडर-20 चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। नेपाल फुटबॉल स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। मैच की तीसरी मिनट में गुरजान सिंह ने शानदार पास भेजा, जिसे इंडियन सुपर लीग के तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी शियाल यादव ने गोल में बदला और भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। पहले हाफ में पाकिस्तान ने कई मौके बनाए, लेकिन भारतीय रक्षा और गोलकीपर सुरज अहंइबम ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया। दूसरे हाफ में ओमांग डोडूम ने खेल पर कब्जा जमाया। 64वें मिनट में उन्होंने रिची की पास से शानदार हेडर किया और भारत की बढ़त दो-गुनी की। 88वें मिनट में प्रशान जाजो के पेनटी में गिराए जाने पर डोडूम ने इसे टॉप कॉर्नर में बदलकर स्कोर 3-0 किया। डोडूम को लेकर ऑफ द मैच चुना गया। भारत 28 मार्च को ग्रुप चरण के अपने अगले मैच में बांग्लादेश का सामना करेगा।

एशियाई खेलों में पदक जीतना रहेगा लक्ष्य : मीराबाई चानू

रायपुर। भारत की ओलंपिक पदक विजेता भारतेलोक मीराबाई चानू ने कहा है कि वह राष्ट्रमण्डल खेलों में 48 किलोग्राम वर्ग में ही उत्तरींग पर उसके बाद उन्हें इसे एशियाई खेलों के लिए बदलना होगा। चानू के अनुसार वह आज तक एशियाई खेलों में पदक नहीं जीत पायी हैं, इसलिए उनका लक्ष्य इस बार पदक जीतना रहेगा। इस खिलाड़ी के अनुसार बड़े अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए वजन वर्गों में जरूरत के अनुसार बदलाव करना होता है। गौरतलब है कि चानू वह एक दशक से भी अधिक समय से भारत की ओर से विश्व स्तर पर भरतोलोक में पदक जीतती रही हैं। इसमें टोक्यो ओलंपिक्स के रजत पदक के साथ ही, तीन विश्व चैंपियनशिप पदक शामिल रहे हैं पर अब भी तक एशियाई खेलों में पदक नहीं जीत पायी हैं। मीराबाई ने पहली बार 19 साल की उम्र में पहली बार एशियाई खेलों में भाग लिया था और 2014 के इंडियन एशियन गेम्स में वह नौवें स्थान पर रही थीं। बाद में पीट की चोट के कारण उन्हें 2018 के जकार्ता एशियन गेम्स से हटना पड़ा था। वह साल 2022 के हांगझोऊ एशियाई खेलों में पदक के सबसे करीब पहुंची थीं पर फिट नहीं होने के कारण बीच में ही बाहर हो गयी थीं। इसके बाद वह पांच महीने तक खेल से दूर थीं। इस खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए 2024 के पेरिस ओलंपिक्स के लिए क्वालिफाई किया था पर वह पदक जीतने में असफल रही थीं। अब उनका लक्ष्य इस बार एशियाई खेलों में पदक जीतना रहेगा।





साउथ सुपरस्टार धनुष के ड्रीम प्रोजेक्ट में विक्की कौशल की एंट्री

साउथ सिनेमा के दिग्गज निर्देशक एस. शंकर के ड्रीम प्रोजेक्ट 'वेलपरी' को लेकर नया अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मेगा बजट फिल्म में अब रणवीर सिंह की जगह विक्की कौशल नजर आ सकते हैं। फिल्म में साउथ सुपरस्टार धनुष पहले से ही अहम भूमिका में बताए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 'वेलपरी' में दूसरे लीड रोल के लिए पहले रणवीर सिंह का नाम चर्चा में था। हालांकि अब बलाई पेचु की एक रिपोर्ट के अनुसार मेकर्स इस किरदार के लिए विक्की कौशल से बातचीत कर रहे हैं और उन्हें कास्ट करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि फिल्म की कहानी प्रसिद्ध तमिल उपन्यास 'वीर युग नायकन वेल परी' पर आधारित है, जिसे लेखक सु. वेंकटेशन ने लिखा है। यह कहानी प्राचीन तमिलनाडु के प्रसिद्ध और उदार शासक वेलपरी के जीवन पर आधारित मानी जाती है। फिल्म को बड़े स्तर पर ऐतिहासिक ड्रामा के रूप में बनाने की तैयारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, निर्देशक शंकर इस प्रोजेक्ट को लंबे समय से बनाना चाहते थे और इसे अपना ड्रीम प्रोजेक्ट मानते हैं। खबर यह भी है कि फिल्म के लिए धनुष से लंबी डेट्स मांगी गई हैं क्योंकि इसे बड़े पैमाने पर शूट करने की योजना है। अगर सब कुछ तय योजना के अनुसार होता है, तो दर्शकों को पहली बार बड़े पर्दे पर धनुष और विक्की कौशल की नई जोड़ी देखने को मिल सकती है। वहीं रणवीर सिंह का नाम फिलहाल इस प्रोजेक्ट से बाहर बताया जा रहा है। वर्कफ्रंट की बात करें तो धनुष आने वाले समय में कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाले हैं। वहीं विक्की कौशल भी कई फिल्मों में व्यस्त हैं और उनकी परफॉर्मस को लेकर इंडस्ट्री में काफी चर्चा रहती है। फिलहाल 'वेलपरी' को लेकर मेकर्स की ओर से आधिकारिक घोषणा का इंतजार किया जा रहा है। अगर विक्की कौशल इस फिल्म में शामिल होते हैं तो यह बॉलीवुड और साउथ सिनेमा के बीच एक और बड़ी कोलैबोरेशन मानी जाएगी।



'सुंदर पूनम' की पहली झलक आई सामने, रहस्यमयी किरदार में दिखीं सान्या मल्होत्रा

फिल्म 'सुंदर पूनम' के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन के जोड़े में नजर आईं। फर्स्ट लुक देखकर लगता है कि वह कोई आम दुल्हन नहीं है, उनके किरदार में कई परतें हैं। फर्स्ट लुक से लगता है कि फिल्म 'सुंदर पूनम' अपने स्टोरी से दर्शकों को चौंका देगी, इसमें थ्रिलर, सस्पेंस की डोज मिलेगी। 'सुंदर पूनम' के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन बन है, उसका फोन लगातार बज रहा है। जिसमें सुंदर और राजू नाम के नंबर से फोन आ रहा है। आखिर में दुल्हन मुस्कुराती है। पीछे से एक खबर सुनाई देती है कि एक शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर में गायब हो गया।

जुनूनी प्यार और उलझा देने वाली कहानी दिखेगी
इस फिल्म में एक नया शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर हनीमून पर जाता है। हनीमून के दौरान यह जोड़ा अचानक लापता हो जाता है। इसके साथ ही दुल्हन पूनम से जुड़ा एक रॉगट खड़े कर देने वाला सच सामने आता है। इसमें उसकी जुनून भरी प्रेम कहानी है और उलझा हुआ अतीत है, जो दर्शकों को चौंकाने के लिए काफी है।



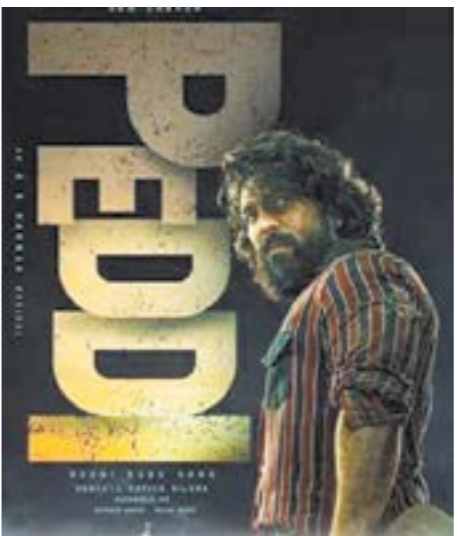
पेद्दी के डांस नंबर में नजर आएंगी मृणाल ठाकुर

राम चरण और जान्हवी कपूर अपनी आगामी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर सुर्खियों में हैं। बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित इस स्पॉट्स एक्शन ड्रामा में एक खास डांस नंबर होगा। जिसमें यह अभिनेत्री जान्हवी और राम के साथ कैमियो भूमिका में नजर आएंगी।

'पेद्दी' में होगा डांस नंबर
राम चरण और जान्हवी कपूर अपनी नई फिल्म 'पेद्दी' को लेकर काफी चर्चा में हैं। इस फिल्म में एक खास डांस गाना होगा। गुल्टे की रिपोर्ट के मुताबिक, 'सीता रामम' फेम मृणाल ठाकुर राम चरण और जान्हवी कपूर के साथ एक स्पेशल डांस नंबर में दिख सकती हैं। हालांकि, फिल्म मेकर्स ने इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

'पेद्दी' की स्टार कास्ट
'पेद्दी' एक स्पॉट्स एक्शन ड्रामा फिल्म है। इसकी कहानी गांव में होने वाले क्रिकेट टूर्नामेंट के इर्द-गिर्द घूमती है। राम चरण हीरो हैं, जबकि जान्हवी कपूर उनके साथ मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में शिव राजकुमार, दिव्येंद्र शर्मा, जगपति बाबू, बोमन ईरानी जैसे कलाकार भी हैं। इसके निर्देशक बुची बाबू सना हैं। 'पेद्दी' का म्यूजिक एआर रहमान ने दिया है।

कब रिलीज होगी 'पेद्दी'
हाल ही में 'पेद्दी' का 'राय राय रा रा' नाम का दूसरा सिंगल रिलीज हुआ, जिसमें राम चरण के शानदार डांस मूव्स हैं। एआर रहमान ने इसे तेलुगु और तमिल दोनों में गाया है। 'पेद्दी' का एक्शन टीजर जल्द आने वाला है। हो सकता है कि 27 मार्च 2026 को राम चरण के जन्मदिन पर इसका खास टीजर रिलीज हो। फिल्म 'पेद्दी' 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



करण जौहर की टैलेंट एजेंसी से अलग हुई जान्हवी कपूर



करण जौहर प्रोड्यूस कई फिल्मों में जान्हवी कपूर ने अभिनय किया है। लगता है कि अब वह अलग रास्ते पर चलना चाहती हैं कि यही

जान्हवी कपूर की आने वाली फिल्मों कौन सी हैं?
करण जौहर की एजेंसी से अलग होने के बाद भी जान्हवी कपूर के पास बड़ी फिल्मों हैं। वह जल्द ही साउथ एक्टर रामचरण के साथ फिल्म 'पेद्दी' में नजर आएंगी। पिछले साल वह फिल्म 'परम सुंदरी' और 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आई थीं।

वजह है कि हाल ही में वह करण जौहर की टैलेंट एजेंसी से अलग हो गई। हाल ही में बातचीत में करण जौहर कहते हैं, 'कुछ टैलेंट ऐसे होंगे जो हमारे पास आएंगे और चले जाएंगे। तीन बड़ी एजेंसियों के बीच हमेशा पारसिंग द पार्सल जैसा खेल चलता रहता है।' करण जौहर ने यह भी बताया कि उनकी टैलेंट एजेंसी सबसे ज्यादा बिजनेस करती है।

वया आगे जान्हवी कपूर के साथ काम करेंगे?
करण जौहर बातचीत में आगे कहते हैं, 'जिस किसी ने भी हमारी एजेंसी छोड़ी है, मैं हमेशा उनके लिए अच्छा ही चाहूंगा, उनके साथ काम भी करूंगा। कई बार ऐसा हुआ है कि उन्होंने हमारी एजेंसी छोड़ दी है, लेकिन मैं फिर भी उनके साथ काम करता रहता हूँ।' इस जवाब से करण जौहर ने जता दिया कि वह आगे भी जान्हवी कपूर के साथ काम कर सकते हैं।



वया 8 साल बाद अल्लू अर्जुन संग वापसी करेंगी अनुष्का शर्मा

साउथ स्टार अल्लू अर्जुन अपनी आगामी फिल्म पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन 'जवान' फिल्म के डायरेक्टर एटली कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक, फिल्म में कई बड़े स्टार्स हैं, जिनमें दीपिका पादुकोण लीड रोल में हैं। अब नई खबरों के अनुसार, अनुष्का शर्मा भी इस साइंस फिक्शन फिल्म में नजर आएंगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, बॉलीवुड की एक और बड़ी स्टार इस प्रोजेक्ट से जुड़ने वाली हैं। बताया जा रहा है कि वे फिल्म में शामिल होने के लिए बातचीत कर रही हैं और अगर यह सच साबित होता है, तो यह उनकी पहली तेलुगु फिल्म होगी। हालांकि, अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

अपने बेटे और बेटी के साथ लंदन में रहते हैं।
अल्लू अर्जुन के साथ ये एक्ट्रेसस भी
फिल्म की बात करें तो, खबरों के मुताबिक इस फिल्म में मृणाल ठाकुर, जान्हवी कपूर और रश्मिका मंदाना समेत कई फीमेल एक्टर्स नजर आ रही हैं। ऐसी भी चर्चा है कि रश्मिका मंदाना फिल्म में निगेटिव रोल कर सकती हैं। अल्लू अर्जुन भी फिल्म में कई किरदारों में नजर आएंगे।

अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म



फिल्म का संगीत साई अश्वंकर द्वारा तैयार किया जाएगा। वहीं, एटली के साथ काम करने के बाद, अल्लू अर्जुन लोकेश कनगराज के साथ काम करेंगे, जिसमें मशहूर संगीतकार अनिरुद्ध संगीत देंगे। फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होने वाली है।



फिल्म सेट पर सपने की तरह बीते 25 साल

साउथ में शिवाजी द बॉस, छत्रपति और पोविकरी राजा जैसी सुपरहिट फिल्मों हों या हिंदी की हिट दृश्यम फ्रेंचाइजी, ऐक्ट्रेस श्रिया सरन पिछले ढाई दशक से अपने दर्शकों के दिलों पर राज कर रही हैं। इन दिनों वह अपनी वेब सीरीज स्पेस जेन: चंद्रयान को लेकर चर्चा में हैं।

आपको ऐक्टिंग की दुनिया में 25 साल हो गए। पीछे मुड़कर देखती हैं तो क्या अहसास होता है?
यह सब एक सपने जैसा है। जब मैं इंडस्ट्री में आई थी तो लगा था कि ये एक फिल्म करूंगी और फिर वापस कोलेज चली जाऊंगी, लेकिन एक फिल्म के बाद दूसरी, फिर तीसरी होती गई। मैं खुद को बहुत खुशनुसीब मानती हूँ कि मुझे ये मौका मिला क्योंकि जब मैंने काम शुरू किया था, तब इंटरनेट वगैरह नहीं था तो स्पोर्ट होना और काम मिलना इतना आसान नहीं था। उस पर जब मैंने काम शुरू किया था तो ऐक्टिंग के बारे में कुछ नहीं जानती थी। मैंने कहीं ऐक्टिंग नहीं सीखी थी, फिर भी इतने सारे डायरेक्टर्स ने मुझ पर विश्वास किया।

आपकी सीरीज में जब चंद्रयान 2 फेल होता है, तो वैज्ञानिकों के मन में खुद की प्रतिभा पर सवाल भी उठते हैं, कभी आप अपने करियर में सैल्फ डाउट के इस दौर से गुजरी हैं?
बहुत बार। कई बार ऐसा हुआ है कि मैं अपनी वॉइस पर सवाल कर रही होती हूँ कि मैंने गलत किया, ये

फिल्म नहीं करनी चाहिए थी, पर फिल्म हिट हो गई। ऐसा बहुत बार हुआ है। वहीं, कभी किसी फिल्म के लिए बहुत ज्यादा मेहनत की और वो फिल्म नहीं चली, तब खुद की वॉइस पर शक होता है। आप वजहें ढूँढते हैं, पर समझ नहीं आता कि इतनी मेहनत की, फिर क्यों नहीं चली। आप उस किरदार के इतने प्यार में होते हैं कि लगता है कि उसके साथ गलत हुआ। मेरे साथ तो सैल्फ डाउट वाली स्थिति बहुत हुई है, लेकिन आप उससे लड़ते हैं, जीतते हैं और आपको अहसास होता है कि उससे आगे ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिसके लिए आपको शुक्रगुजार होना चाहिए। जो मौके आपको मिले, उसे लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

अपने लंबे करियर में आपने रजनीकांत, नागार्जुन, अजय देवगन जैसे दिग्गजों के साथ काम किया है। उनकी कोई ऐसी सलाह है, जो बहुत पते की लगी?
बिल्कुल, जब मैं रजनीकांत सर के साथ शिवाजी द बॉस कर रही थी तो वो मेरे लिए बहुत बड़ा मौका था। शंकर (डायरेक्टर) सर, रजनीकांत सर, एआर रहमान सर, सबके साथ काम करना बहुत बड़ी बात थी। हम गाना शूट कर रहे थे, मैंने सही स्टेप किया

तो राजू सुंदरम, जो बेहतरीन कोरियोग्राफर हैं, उन्होंने बहुत ही कमाल की बात कही कि तुम ये फिल्म कर रही हो, ये फिल्म बड़ी हिट होगी।

आप ऐक्टिंग के डिमांडिंग प्रफेशन और 5 साल की बेटी राधा की मां की भूमिका के बीच तालमेल कैसे बैठाती हैं?
हम माएं अपने बच्चे के लिए सारी व्यस्तताओं के बावजूद वक्त निकाल ही लेती हैं। मैं शूट से दो का भी ब्रेक मिलता तो वक्त चुराकर राधा से मिल आती थी। बीच-बीच में फेसटाइम कर लेती हूँ। यह समाज की सोच है कि औरतों से ही ऐसे सवाल होते हैं। हमेशा वर्किंग माओं से ही पूछा जाता है कि जब आप काम कर रही हैं तो बच्चे की देखभाल कौन करता है? आप काम पर कैसे आएं हैं? घर पर कौन है? और अगर आप ये बोलें कि आज मैं आठ घंटे काम करना चाहती हूँ, नौ घंटे घंटे घर जाना चाहती हूँ तो नौ घंटे पर भी लोगों को दिक्कत होती है, तो आपको इन सब चीजों से डील करना पड़ता है, पर ठीक है यार। हमें इन चीजों को हल्के में लेना पड़ता है और मां होने को इंजॉय करना होता है। एक मां होने का अहसास अनमोल है। एक वर्किंग मां होना भी इंजॉय करना होता है।

दमण सरकारी महाविद्यालय के प्रोफेसर्सों को मिला डिजाइन पेटेंट: मत्स्य पालन क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि

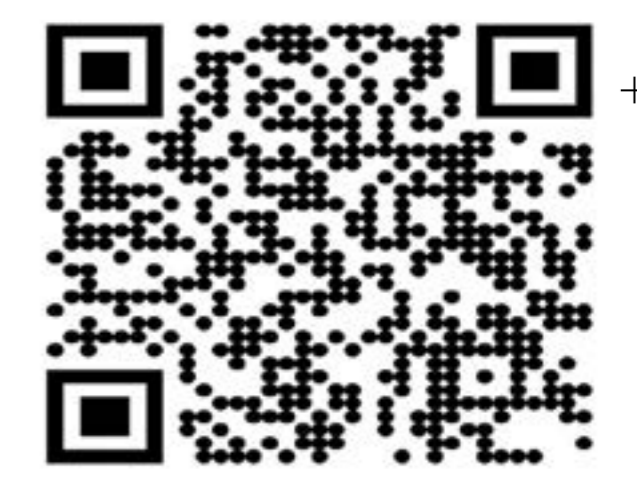
असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 27 मार्च। दमण के शिक्षा जगत के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण है। दमण सरकारी महाविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग के तीन प्रख्यात प्रोफेसर्स डॉ. मोनिका दुबे, डॉ. विनीत प्रकाश सिंह और डॉ. बी.जे. कोप्पर को उनके नवाचार Aquatic Feed Formulator and Feeder (एक्वाटिक फीड फॉर्मुलेटर और फीडर) के लिए भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय द्वारा डिजाइन पेटेंट प्रदान किया गया है। इससे मछली पालन को नया आयाम मिलेगा। इन प्रोफेसर्सों द्वारा विकसित यह उपकरण जलीय कृषि के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। यह मशीन जलीय जीवों के लिए न केवल संतुलित और पौष्टिक आहार तैयार करने में सक्षम है, बल्कि उसे सही समय और सटीक मात्रा में खिलाने (फीडिंग) की प्रक्रिया को भी आसान बनाती है। इस नवाचार की मुख्य विशेषताओं में सटीक फॉर्मूलेशन: यह विभिन्न पोषक तत्वों को मिलाकर उच्च गुणवत्ता वाला मछली दाना तैयार करने में मदद करता है। कुशल फीडिंग: ऑटोमैटिक फीडर सिस्टम के कारण भोजन की बर्बादी कम होती है और पानी की शुद्धता बनी रहती है। लागत में कमी: स्थानीय



संसाधनों का उपयोग कर सस्ता और प्रभावी चारा तैयार करने में मदद करता है। कुशल फीडिंग: ऑटोमैटिक फीडर सिस्टम के कारण भोजन की बर्बादी कम होती है और पानी की शुद्धता बनी रहती है। लागत में कमी: स्थानीय कृषि का उपयोग कर सस्ता और प्रभावी चारा तैयार करने में मदद करता है, जिससे किसानों की आय बढ़ेगी। सरकारी महाविद्यालय दमण के लिए यह एक बड़ी सफलता है। प्रोफेसर्सों द्वारा

दादरा नगर हवेली और दमण-दीव फुटबॉल एसोसिएशन स्वामी विवेकानंद ट्रॉफी 2025-26 के लिए 4 अप्रैल को चलायेगा ट्रायल्स प्रक्रिया

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 27 मार्च। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव फुटबॉल एसोसिएशन ने स्वामी विवेकानंद ट्रॉफी 2025-26 के लिए ओपन ट्रायल्स की घोषणा की है। इसमें वर्ष 2007, 2008 और 2009 में जन्मे युवा फुटबॉलर्स को अपना कौशल प्रदर्शित करने के लिए आमंत्रित किया गया है। ये ट्रायल्स 4 अप्रैल 2026 को जीवराजका इंटरनेशनल स्कूल स्टेडियम ग्राउंड में सुबह 8:00 बजे से शुरू होंगे। इन ट्रायल्स का मुख्य उद्देश्य प्रतिष्ठित स्वामी विवेकानंद ट्रॉफी टूर्नामेंट में भागीदारी के लिए स्थानीय प्रतिभाओं की पहचान करना और उन्हें निखारना है। कोच और चयनकर्ता प्रतिभागियों का मूल्यांकन उनकी तकनीकी क्षमता, खेल की समझ, शारीरिक फिटनेस और टीम वर्क के आधार पर करेंगे। चयन प्रक्रिया को पूरी तरह से पारदर्शी और योग्यता आधारित



बनाया गया है, ताकि क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर केंद्र शासित प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाली प्रतिस्पर्धी युवा टीमों तैयार की जा सकें। पंजीकरण शुरू हो चुका है। अभिभावकों और खिलाड़ियों को लिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करके ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म भरना होगा। प्रतिभागियों को सलाह दी जाती है कि वे निर्धारित समय से पहले कार्यक्रम स्थल पर पहुंचें और अपने साथ उचित फुटबॉल किट, पानी और आवश्यक मेडिकल क्लीयरेंस साथ लाएं। आयोजकों द्वारा मैदान पर बुनियादी सुरक्षा और चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था की जाएगी। सभी उपस्थित लोगों से अनुरोध है कि वे आयोजन के दिन अधिकारियों द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें। दादरा नगर हवेली और दमण-दीव फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष ने कहा कि हम युवा प्रतिभाओं की एक मजबूत पाइपलाइन बनाने और उन्हें संगठित प्रतियोगिताओं

दमण पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला सुलझाते हुए 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 27 मार्च। दमण पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला सुलझाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। तटीय पुलिस स्टेशन कडेया ने धोखाधड़ी के एक मामले एफआईआर नं. 45/2025 को सफलतापूर्वक सुलझा लिया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 318(4) और 3(5) के तहत अपराध में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट में बताया गया है कि 30/10/2025 को शिकायतकर्ता श्रीकांत पुत्र पश्चिम दीप ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 16/09/2025 को वह अपने टेकेदार से वेतन के 6,800 रुपये लेकर अपने कमरे पर लौट रहे थे। बैंक ऑफ बड़ोवा के पास दो अज्ञात व्यक्तियों ने उन्हें रोका। उनमें से एक ने दावा किया कि उसे बैंक में 1,70,000 रुपये जमा करने हैं और यदि श्रीकांत उसकी ओर से पैसे जमा करते हैं, तो वह उन्हें 20,000 रुपये का इनाम देगा। लालच में आकर शिकायतकर्ता ने आरोपियों को 6,800 रुपये सौंप दिए। आरोपियों



को गहनता से जांच की गई। तकनीकी निगरानी और मानवीय खुफिया जानकारी के माध्यम से दो संदिग्धों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। पुलिस ने इस मामले में राजू सिपाही शाह, (48 वर्ष), निवासी: केवले रोड, मुन्ना सिंह चॉल, डहाणू, महाराष्ट्र, मूल निवासी उर्खई पश्चिम पट्टी, अंकरल, पलहारखुली, जिला सिवान, बिहार और दत्ता रघुनाथ धनगर, (27 वर्ष), निवासी: नवी नगरी, दिनेशभाई की चॉल, उमीगाँव, वलसाड, गुजरात, मूल निवासी: महसावद, सतारा, महाराष्ट्र को गिरफ्तार किया है। आरोपी राजू सिपाही शाह और दत्ता रघुनाथ धनगर के खिलाफ एफआईआर नं. 72/25 धारा 318(4), 3(5) बीएनएस, नानी दमण पुलिस स्टेशन में पहले से ही मामला दर्ज है। दोनों आरोपी वर्तमान में पुलिस हिरासत में हैं और आगे की जांच जारी है। पृष्ठभूमि सत्यापन के दौरान यह पता चला कि दोनों आरोपी पहले भी नानी दमण पुलिस स्टेशन में दर्ज इसी तरह के एक मामले में गिरफ्तार हो चुके हैं। दमण पुलिस नागरिकों की सुरक्षा और अपराधियों तथा आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराती है।

श्री वणाकबारा संयुक्त कोली समाज ने महाकालेश्वर महादेव मंदिर में मनाया श्रीराम जन्मोत्सव



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 27 मार्च। श्री वणाकबारा संयुक्त कोली समाज द्वारा दीव के वणाकबारा स्थित महाकालेश्वर महादेव मंदिर में श्री राम जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी धूमधाम से रामनवमी मनाई गई। इस दौरान

पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। महाकालेश्वर महादेव मंदिर को भी सजाया गया था जो लोगों के आकर्षण का केन्द्र बना। दोपहर 12 बजे महाकालेश्वर मंदिर स्थित राम मंदिर पर श्री राम, लक्ष्मण एवं सीता माता की महाआरती की गई। इस दौरान

स्वर्गीय रामजी चुलावाला परिवार की ओर से भगवान राम की आरती उतारी गई। इसके बाद महाप्रसाद का आयोजन किया गया। दोपहर 3.30 बजे से भगवान श्री राम की पालखी यात्रा निकाली गई जो वणाकबारा के मुख्य मार्ग पर घूमती। इस दौरान लोगों ने जगह-जगह भगवान राम के स्वागत किये और दर्शन का लाभ लिया। पूरा वातावरण भक्तिमय बन गया था। इस पालखी यात्रा में श्री वणाकबारा संयुक्त कोली समाज के पदाधिकारियों, अग्रणियों, सदस्यों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने शामिल होकर भगवान राम के दर्शन का लाभ लिया।

एस.जी. हाईवे पर रफ्तार का कहर: बेकाबू कार ने बाइक सवार को घसीटा, हालत गंभीर

अहमदाबाद (ईएमएस)। शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल एस.जी. हाईवे पर एक बार फिर तेज रफ्तार का खौफनाक नजारा देखने को मिला। पाखवान ब्रिज के पास बीती रात हुए भीषण हादसे में एक बेकाबू कार चालक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी और उसे सड़क पर काफी दूर तक धसीटा रहा, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। मिली जानकारी के अनुसार 47 वर्षीय कमलेश पाणखनिया अपनी बाइक से पाखवान चार रास्ता के पास से गुजर रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज गति से आ रही कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद भी कार चालक ने वाहन रोकने के बजाय उससे दौड़ाते रहना जारी रखा, जिससे बाइक कार के बोनट में फंस गई और पीड़ित को लंबी दूरी तक घसीटा गया। इस दुर्घटना में कमलेश पाणखनिया को गंभीर चोटें आई हैं। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और 108 एम्बुलेंस की मदद से उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

TORRENT POWER | DNHDD

विजली बंद होने की सूचना

उपभोक्ताओं को निर्वाह और गुणात्मक विजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए दादरा नगर हवेली एवं दमण दीव पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (टोरेंटपावर) द्वारा नेटवर्क रखरखाव की योजना बनाई है, ऐसा हमें सूचित किया गया है। निम्न विहित संबंधित सबस्टेशनों से शांति को मिलने वाली विजली आपूर्ति बंद होगी। कृपया तदनुरूप आरक्षी गतिविधियों की योजना बनाएं। हालांकि, विजली आपूर्ति निर्धारित समय से पहले शुरू करने के सभी प्रयास किए जाएंगे।

दिनांक	सबस्टेशन	क्षेत्र का नाम
02/06/2025	रखोले गुलवार समय: सुबह 6:00 बजे तक	कटाइ कॉलेज परिसर, मधुवन गरी, रघोली काकवापाड़ा, रघोली छाडीपाड़ा, रघोली स्कूल फलिया, कुडवा रोड, पूरा कटाइ गांव, कटाइ प्लेटपाड़ा, छाडीवाड़ा, कांजवाड़ा, पूरापाड़ा, वारीपाड़ा, आखिरी बसस्टॉप, स्कूल फलिया, पॉलिटेक्निक कॉलेज, वडपाड़ा, मधुवन गांव 99 केबी एक्सप्रेस वहीडर: अरुण इंडस्ट्रीज युनिट-2, येसको, डी.के.अपरेल, सिलवसा वृद्धन सेक, राम राव चावर्स (रखोले), डब्ल्यूटीवी फिन्टेक प्लेट, गंगा जमुन, स्टारलैब्स फावर (आरकेएल), सोमी, पाली एंगो, आर.आर. काबेल-युनिट-3, आर.आर. काबेल-2, केईआई (रखोली), आईसीटीएल (रखोली), जेएचके इंडस्ट्रीज - 2 (रखोली), फ्रेन्ड्स स्टील एलएलपी, ओरेकल कॉलेजपाद, डायर 62 केबी वहीडर: एचआईएच लिमिटेड लिमिटेड
04/06/2025	दादा गुलवार समय: सुबह 6:00 बजे तक	दादा एम्प्लस (20 MVA PTR- 9,3,4) 99 केबी एक्सप्रेस वहीडर: आर.के.फिलिपेट, राम राव चावर्स, जौय प्लास, सोरपरी, सरास पराभिम्य, एरो फाइबर प्राइवेट लिमिटेड, सनसर्वा, डेएर एंड वेईल इंडिया लिमिटेड युनिट-2, एसआरवी सिंबेटिक, कल्पना इंडस्ट्रीज, वल्टारा, सिन्केव, वायान, वदरा, भूमि यार्न, इकोज विनार, एचएलएन (विष्णु लक्ष्मी), ईशान, रक्षा रेवॉन - आर.एम. निटर 62 केबी वहीडर: यमोदर इंडस्ट्रीज लिमिटेड

अनुसूचित को श्रेष्ठ सेवा दें

आरसीसीबी/ईएमसीबी का प्रमुख लाभ आपके परिवार की सुरक्षा का वादा

अपने लोकेज लॉकेट प्रेंचर स्थापित करें और सुरक्षित रहें

एक छोटी सी विवादायक अवस्था विजली के टूटने के बचाव है

आपकी सेवा में हमें सदैव उपस्थित

Helpline 909991912, 18002339500, 19126, 18002705551

connect.torrentpower.com

connect.dnhdd@torrentpower.com

Bharat Express

Diu To Daman - Silvassa

Baroda - Bharuch - Ankleshwar - Surat - Navsari - Chikhli - Valsad - KillaPardi - Vapi - Bhilad - Mumbai - Ahmedabad

Office: 02875 225990

Mo.9426989796

Mo.9104980990

Ekta Travels

Diu to Ahmedabad - Mumbai - Baroda - Surat - Keshavnagar - Daman - Vapi

GSRTC Online Booking

Jethabai Bus Station, Diu

Contact here for Online Booking

Also Booking All types of Four Wheeler & More Bikes on Rent

Email: ektravels1503@gmail.com

Hillesh: Mo.: 9898618434, 94261 33112, Ph. 01 (02875)253474, 255590